# सी.बी.एस.ई.

# प्रश्न-पत्र-2024

## हिन्दी (आधार) कक्षा-XII

## (हल सहित)

**Time : 3 Hours** **Max. Marks : 80**

**सामान्य निर्देश—**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए।

*(i)* इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

*(ii)* इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं— **खंड—'अ'** और **खंड—'ब'**।

*(iii)* **खंड—'अ'** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

*(iv)* **खंड—'ब'** में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

*(v)* प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

*(vi)* यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

**Delhi Set-1** **2/5/1**

### खण्ड-'अ'

**(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)**

**1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—** **10 × 1 = 10**

तकनीक की हर नई छलांग उत्साह भी पैदा करती है और चिंता भी लाती है। 'डीपमाइंड' और 'ओपनएआई' जैसी कंपनियों द्वारा बनाए गए स्मार्ट चैटबॉट्स ने लोगों का मन मोह लिया है। इनमें इंसानों की तरह सवालों के जवाब देने की क्षमता है। ये बारीकियों की संख्या कर सकते हैं, साथ ही, तथ्यों को विश्वास के साथ साझा भी कर सकते हैं। ये चैटबॉट नए नहीं हैं। इंसानों के संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स की अवधारणा का 1950 के दशक से ही एक इतिहास रहा है। शुरुआती चैटबॉट्स में से एक एलिजा है, जिसे 1960 के दशक में कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था। यह कीवर्ड और वाक्यांशों का जवाब देकर सहज ढंग से संवाद कर सकता था। चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है।

चैटजीपीटी को ओपनए आई द्वारा विकसित किया गया है। यह भाषा का एक मॉडल है, जो इंसानों की तरह ही प्रतिक्रिया करता है। कुछ चैटबॉट ज्यादा जटिल संवाद करने में भी सक्षम होते हैं और समय के साथ अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं। अभी चैटजीपीटी सहित अधिकांश चैटबॉट्स अपने लिए सूचनाएँ एक विशाल, लेकिन एक सीमित दायरे से ही प्राप्त करते हैं। जैसे चैटजीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि ऐसा करना गूगल या बिंग के लिए मुश्किल है। हालाँकि, चैटजीपीटी की इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में सूचना स्त्रोत का जिक्र नहीं होता और न ही कोई लिंग या उद्धरण दिया जाता है। इसके साथ आसान बातचीत ने दुनियाभर में धूम मचा दी है। उत्साही लोग तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। हर संवाद के साथ चैटबॉट का भी परीक्षण और प्रशिक्षण चल रहा है।

फिर भी एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता, जबकि इसका इजहार या इसकी अभिव्यक्ति या लेखन इंसानों की तरह ही है। इसकी जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। इनको अभी भी कई बाधाओं या हदों को पार करना है, सूचनाओं को बढ़ाना है। कई भाषाओं के विकल्पों के साथ डिजिटल संचार पाठ से आवाज़ की ओर बढ़ रहा है। हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है। एलेक्सा जैसे सर्च इंजन और आवाज़ आधारित अन्य सहायकों से आगे जाने के लिए चैटबॉट्स को ज़्यादा सूचनाओं की ज़रूरत पड़ेगी। लोगों की जिज्ञासाओं को शब्दों से ही नहीं स-स्वर शांत करना होगा।

स्पैरो चैटबॉट जीपीटी की तुलना में कुछ बेहतर है। जल्द ही गलत सवालों को पहचानने वाले चैटबॉट भी आ जाएँगे। अगर समझदारी से इस्तेमाल हुआ, तो चैटबॉट हमारे बहुत काम आएँगे।

**(i)** चैटबॉट्स से अभिप्राय है–
**(क)** स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वाली रोबोटिक मशीन
**(ख)** अंतरिक्ष में छिपे रहस्यों का पता लगाने वाली मशीन
**(ग)** ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके
**(घ)** ऐसी रोबोटिक मशीन जो मनुष्य का काम कर सके

**(ii)** चैटबॉट्स द्वारा लोगों का मन मोहने का कारण इनमें से नहीं है:
**(क)** इंसानों से संवाद करना।
**(ख)** विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी प्रदान करना।
**(ग)** तथ्यों को विश्वसनीय ढ़ंग से प्रस्तुत करना।
**(घ)** सूचना के स्त्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

**(iii)** गूगल या बिंग की तुलना में चैटबॉट्स के अधिक प्रभावशाली होने का कारण है–
**(क)** उपयोगकर्ता के साथ सहज ढ़ंग से संवाद करना।
**(ख)** प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करना।
**(ग)** छात्रों द्वारा अपना होमवर्क करने या निबंध लिखने में इसका प्रयोग करना।
**(घ)** अपनी बात के समर्थन में सूचना स्त्रोत का उल्लेख करना।

**(iv)** निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(I) चैटबॉट्स जटिल संवाद करने में सक्षम हैं।
(II) चैटबॉट्स का विकास मानव जीवन के एकाकीपन को दूर करने में सक्षम है।
(III) चैटबॉट्स मानव द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब अपने विवेक के आधार पर देता है।
(IV) भविष्य में चैटबॉट्स सही गलत को पहचानने में सक्षम होंगे।
गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
**(क)** केवल कथन (I) सही है।
**(ख)** केवल कथन (III) सही है।
**(ग)** कथन (I) और (IV) सही हैं।
**(घ)** कथन (II) और (III) सही हैं।

**(v)** 'एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता' लेखक के इस कथन का कारण है–
**(क)** चैटबॉट द्वारा कभी-कभी गलत और दोषपूर्ण जानकारी देना।
**(ख)** चैटबॉट में सूचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना।
**(ग)** चैटबॉट का हर संवाद के साथ परीक्षण और प्रशिक्षण चलना।
**(घ)** इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में लिंक या उदाहरण न दे पाना।

**(vi)** सबसे प्राचीन चैटबॉट का नाम है–
**(क)** एलेक्सा **(ख)** एलिजा
**(ग)** स्पैरो **(घ)** चैटजीपीटी

**(vii)** चैटबॉट्स की सबसे बड़ी कमी है–
**(क)** गलत सवालों को पहचाने की क्षमता का न होना।
**(ख)** सूचनाओं का सीमित भंडार में होना।
**(ग)** स्त्रोतों का हवाला देने की क्षमता का न होना।
**(घ)** जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना।

**(viii)** एलिजा चैटबॉट की रचना की गई थी–
**(क)** प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु
**(ख)** मनुष्यों से संवाद करने हेतु
**(ग)** मानवीय कार्यों में मदद करने हेतु
**(घ)** सूचनाओं के भंडार-संकलन हेतु

**(ix)** निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:
**कथन:** तकनीकी प्रगति उत्साह के साथ-साथ चिंता का कारण भी है।
**कारण:** यह जीवन को सरल बनाने के साथ जटिल बना रही है।
**(क)** कथन सही है, कारण गलत है।
**(ख)** कथन सही नहीं है, कारण सही है।
**(ग)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
**(घ)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

**(x)** 'डिजिटल दुनिया पाठ से आवाज़ की ओर बढ़ रही है'–पंक्ति से अभिप्राय है–
**(क)** लिखित शब्दों का महत्त्व कम हो रहा है।
**(ख)** इस दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है।
**(ग)** यह दुनिया केवल स-स्वर शब्दों से जुड़ रही है।
**(घ)** यह दुनिया लिखित छोड़ केवल मौखिक की ओर बढ़ रही है।

**2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **5 × 1 = 5**

शब्द तो आए बहुत बाद में
संख्याएँ हमारे साथ जन्म से ही हैं
गर्भ में जब
निर्माण हो रहा था हमारी हड्डियों का
रक्तकणों और कोशिकाओं का
साथ-साथ संख्याएँ भी निर्मित होती जा रही थीं
एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ
दो आँखों में स्थित हैं दो
तीन है उँगलियों के तीन जड़ों में,
हृदय के हिस्से हैं चार
और पाँच का निवास
पाँच उँगलियों में है
आगे की सारी संख्याओं को

देह में तलाशना बहुत मज़ेदार खेल है
नौ को तो अमर कर गए कबीर
कि नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन.....
मुझे तो बहुत चकित करती है यह बात
कि देह की संख्याएँ आठ की संख्या निर्धारित करती हैं
क्योंकि आठ तरह से ही मुड़ती है यह देह
इसीलिए तो कृष्ण कहलाते हैं अष्टावक्र
सात रंग दिखते हैं आँखों को
और जीभ छह तरह के स्वादों को पहचानती है
इसीलिए तो भोजन को कहा गया षट्रस
देखिए एक से बना कैसा प्यारा शब्द
एका
एक जो दूसरे के बिना रह नहीं सकता
जिसके बिना संभव नहीं थी
इस दुनिया की शुरुआत
मैंने तो शुरू मैं ही कही थी यह बात
कि संख्याएँ शब्दों की पूर्वज हैं
शब्द तो आए बहुत बाद में
और आते ही चले जा रहे हैं
जबकि संख्याएँ सबकी सब आ चुकी हैं
क्या कोई नई संख्या बता सकते हैं आप।

**(i)** पद्यांश के आधार पर संख्याओं की क्या विशेषता है?
**(क)** हमारी देह का निर्माण संख्या के आधार पर हुआ है।
**(ख)** संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है।
**(ग)** संख्याओं का जन्म मनुष्य से पूर्व हुआ है।
**(घ)** पूरे विश्व में संख्याएँ एक समान लिखी जाती हैं।

**(ii)** 'एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ'-का अर्थ है :
**(क)** एक ही परम पिता में सम्पूर्ण ब्रह्मांड समाहित है।
**(ख)** शरीर संख्याओं के योग से बना है।
**(ग)** सारे अंगों का पोषण शरीर से होता है।
**(घ)** हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं।

**(iii)** कवि को कौन-सी बात आश्चर्यचकित करती है?
**(क)** श्रीकृष्ण को अष्टावक्र क्यों कहते हैं?
**(ख)** देह आठ तरह से क्यों मुड़ती है?
**(ग)** देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती हैं?
**(घ)** संख्या और देह का परस्पर क्या संबंध है?

**(iv)** 'नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन'-पंक्ति के संदर्भ में 'पिंजरा' शब्द से आशय है-
**(क)** जीवन **(ख)** संसार
**(ग)** आत्मा **(घ)** शरीर

**(v)** संख्याओं को शब्दों का पूर्वज क्यों कहा गया है?
**(क)** मनुष्य के साथ जन्म होने के कारण
**(ख)** शब्दों को जन्म देने के कारण
**(ग)** संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण
**(घ)** सभी संख्याओं का जन्म हो चुकने के कारण

## (अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

**3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- 5 × 1 = 5**

**(i)** प्रो. गुप्ता की लेखन में विशेष रुचि है, कॉलेज की पत्रिका के लिए वह लेख लिखते हैं। अब वह समाचार-पत्रों में अपना हाथ माँजना चाहते हैं। उन्हें किस शीर्षक के अन्तर्गत अपने लेख भेजने चाहिए?
**(क)** संपादक के नाम पत्र **(ख)** संपादकीय
**(ग)** स्तंभ लेखन **(घ)** प्रतिवेदन

**(ii)** जनसंचार के अन्य माध्यमों की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता के तेजी से लोकप्रिय होने के कारण हैं-
**(क)** पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा का मिलना।
**(ख)** खबरों का तीव्र गति से पहुँचना।
**(ग)** सूचनाओं के विशाल भंडार का होना।
**(घ)** खबरों के संप्रेषण और पुष्टि के लिए बैकग्राउंड तैयार कराने में सहायक होना।

**(iii)** पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए पत्रकारों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न रूप कहलाते हैं-
**(क)** समाचार लेखन **(ख)** विचारपरक लेखन
**(ग)** साहित्यिक लेखन **(घ)** पत्रकारीय लेखन

**(iv)** साक्षात्कार को किस रूप में लिखा जा सकता है?
**(क)** सवाल जवाब के रूप में
**(ख)** आलेख के रूप में
**(ग)** (A) और (B) दोनों रूप में
**(घ)** (A) और (B) दोनों रूपों में से कोई नहीं

**(v)** पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप क्या होता है?
**(क)** फीचर **(ख)** समाचार
**(ग)** स्तंभ **(घ)** आलेख

## (पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- 5 × 1 = 5**

हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतम्य प्रभु परम सुजाना॥
तुरत बैद तक कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरवाई॥
हृदयँ लाई प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता॥
कपि पुनि वैद तहाँ पहुँचावा। जैहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा॥
यह बृतांत दसानन सुनेऊ। अति विषाद पुनि मुनि सिर धुनेऊ॥
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा। बिबिध जतन करि ताहि जगावा॥

**(i)** राम ने हनुमान के प्रति कृतज्ञता क्यों प्रकट की ?
**(क)** सीता का पता लगाने के कारण
**(ख)** समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण
**(ग)** अपने स्वभाव की विनम्रता के कारण
**(घ)** वैद्य को लंका से लाने के कारण

**(ii)** भालू और कपि समूह की प्रसन्नता का कारण था—
**(क)** राम का हनुमान को गले लगाना।
**(ख)** हनुमान का सुषैन वैद्य को लाना।
**(ग)** हनुमान का संजीवनी बूटी लाना।
**(घ)** लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

**(iii)** रावण द्वारा कौन-सा वृत्तांत सुना गया?
**(क)** लक्ष्मण के मूर्च्छित होने का
**(ख)** राम के समुद्र पार आने का
**(ग)** हनुमान द्वारा वैद्य ले जाने का
**(घ)** लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का

**(iv)** **निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :**
**कथन :** दु:खी रावण बार-बार सिर धुन कर पछता रहा था।
**कारण :** विजय की आशाओं पर पानी फिरता दिख रहा था।
**(क)** कथन सही है, कारण गलत है।
**(ख)** कथन सही नहीं है, कारण सही है।
**(ग)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
**(घ)** कथन और कारण दोनों सही हैं, तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

**(v)** **व्याकुल रावण कुंभकरण के पास क्यों गया होगा?**
**(क)** अपना दु:ख बाँटने
**(ख)** युद्ध में सहायता पाने
**(ग)** युद्ध में हुई हानि का वर्णन करने
**(घ)** राम की सेना द्वारा किए जाने वाले विनाश का वर्णन करने

**5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—** $5 \times 1 = 5$

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावत: ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क बिमाता ने मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशुकन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गईं। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दु:ख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर बिछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

**(i)** विमाता द्वारा भक्तिन के पास उसके पिता की मृत्यु का समाचार देर से पहुँचाने का कारण क्या नहीं है?
**(क)** पिता का उस पर अगाध प्रेम होना।
**(ख)** संपत्ति उसके नाम किए जाने का भय होना।
**(ग)** उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।
**(घ)** मन ही मन भक्तिन से ईर्ष्या होना।

**(ii)** 'पैरों के पंख गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए।'—पंक्ति का आशय है—
**(क)** खुशी का समाप्त हो जाना
**(ख)** थकावट का अनुभव हो जाना
**(ग)** असलियत का पता लगना
**(घ)** पैरों की गति शिथिल होना

**(iii)** 'हाय लछमिन अब आई'—गाँववालों द्वारा कहे गए ये शब्द प्रकट करते हैं—
**(क)** उसके प्रति सहानुभूति **(ख)** उसके प्रति ममता
**(ग)** उसके प्रति दु:ख **(घ)** उसके प्रति उपहास

**(iv)** गद्यांश में प्रयुक्त 'अप्रत्याशित अनुग्रह' क्या था?
**(क)** सास द्वारा भक्तिन का साज-श्रृंगार कर पिता के घर विदा करना।
**(ख)** सास द्वारा भक्तिन को नैहर जाने के लिए कहना।
**(ग)** विमाता द्वारा भक्तिन के लिए बुलावा भेजना।
**(घ)** सास का भक्तिन के साथ प्रेमपर्वूक व्यवहार करना।

**(v)** निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :
**(क)** दु:खी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।
**(ख)** उसका सत्कार करने वाला पूरे गाँव में कोई नहीं था।
**(ग)** विमाता पर आया क्रोध उसने पति पर गहने फेंककर शांत किया।
**(घ)** सास को भला-बुरा कहकर उसने पिता की मृत्यु का दु:ख शांत किया।

## (पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए—** $10 \times 1 = 10$

**(i)** किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बबाल न पालकर जीवन समाज के नाम समर्पित करने की भावना यशोधर बाबू के मन में क्यों आती थी?
**(क)** पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण
**(ख)** घर-गृहस्थी के जंजाल से थकने के कारण
**(ग)** जीवन का मर्म समझ में आने के कारण
**(घ)** परिवार से मोह भंग हो जाने के कारण

**(ii)** यशोधर बाबू ने डी. डी. ए. के फ्लैट के लिए पैसा क्यों जमा नहीं किया था?
**(क)** वह रिटायरमेंट के बाद गाँव में बसना चाहते थे।
**(ख)** उन्हें तीनों में किसी एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।

**(ग)** उनके पास फ्लैट बुक कराने के लिए पैसे नहीं थे।
**(घ)** वे योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करते थे।

**(iii)** किशनदा कभी-कभी इस अनुरोध की रक्षा कर देते।—इस वाक्य में किस 'अनुरोध की रक्षा' की बात हो रही है?
**(क)** यशोधर बाबू को सुबह जल्दी उठाने की
**(ख)** यशोधर बाबू को सुबह देर से उठाने की
**(ग)** यशोधर बाबू के घर चाय-पीने की
**(घ)** यशोधर बाबू के साथ सैर पर जाने की

**(iv)** निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प को चुनकर लिखिए:
**कथन—** यदि ईख को और कुछ दिन खेत में खड़ी रहने दिया जाए तो गुड़ ज़रा ज़्यादा निकलता है।
**कारण—** देर तक खेत में खड़ी रहने वाली ईख में पानी की मात्रा कम होती है और रस गाढ़ा हो जाता है।
**(क)** कथन सही है, कारण गलत है।
**(ख)** कथन सही नहीं है, कारण सही है।
**(ग)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
**(घ)** कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

**(v)** 'अब तू बता, मैं का करूँ ?' — कथन से आनंदा के माँ के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?
**(क)** दुर्बलता **(ख)** परवशता
**(ग)** अक्षमता **(घ)** विवशता

**(vi)** कक्षा की बेंच पर बैठे आनंदा की तुलना किससे की गई है?
**(क)** खेती के काम से सुस्ताते पेड़ के नीचे बैठे लड़के से
**(ख)** लड़कों की मार से घायल कौए के बच्चे से
**(ग)** बस अड्डे पर पोटली-सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से
**(घ)** रेलवे स्टेशन पर गाड़ी की प्रतीक्षा करने वाले लड़के से

**(vii)** 'मेरी ही पाठशाला मुझे चोंच मार-मार कर घायल कर रही थी।'— इस पंक्ति का आशय है—
**(क)** पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी।
**(ख)** पाठशाला में उसकी पिटाई की जा रही थी।
**(ग)** पाठशाला में उसे कटु वचन कहे जा रहे थे।
**(घ)** पाठशाला में उसे दण्डित किया जा रहा था।

**(viii)** 'महाकुंड' के विषय में निम्नलिखित में कौन-सा कथन असत्य है?
**(क)** कुंड के पानी के बंदोबस्त के लिए एक तरफ कुआँ है।
**(ख)** महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं।
**(ग)** कुंड से पानी की निकासी के लिए पक्की ईंटों से बनी नालियाँ हैं।
**(घ)** कुंड से पानी के रिसाव को रोकने के लिए तल और दीवारों पर चिनाई की गई है।

**(ix)** निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
**(क)** बौद्ध स्तूप - पुराना लैंडस्कोप
**(ख)** गढ़ - महंतों की समाधियाँ
**(ग)** महाकुंड - सामूहिक स्नान का अंग
**(घ)** ग्रिडशैली - आड़ी-सीधी सड़कें

**(x)** मुअनजो-दड़ो के मिले अवशेषों में अपने मूल स्वरूप के नज़दीक बचे निर्माण के रूप में है—
**(क)** महाकुंड **(ख)** गढ़
**(ग)** बौद्ध स्तूप **(घ)** उपासना केंद्र

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

### (जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

**7. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए— 1×6=6**
**(क)** ओ. टी. टी. पर्दा: मनोरंजन की नई परिभाषा
**(ख)** बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन
**(ग)** घर के कबाड़घर में रखा पुराना टी. वी.

**8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 2 × 2 = 4**

**(i)** **(क)** कहानीकार द्वारा कहानी में वर्णित मानसिक द्वन्द्व को नाटक में किस प्रकार रूपांतरित किया जा सकता है?

**अथवा**

**(ख)** "लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप" प्रसंग के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद के दृश्य को लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

**(ii)** **(क)** नए विषयों पर लेखन एक चुनौतीपूर्ण कार्य क्यों लगता है?

**अथवा**

**(ख)** सिनेमा या रंगमंच (दृश्य माध्यम) और रेडियो नाटक में क्या अंतर है?

**9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। 2 × 2 = 6**
**(क)** तकनीकी विकास के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता अपने शैशवकाल में ही क्यों है? इसके विकास के लिए क्या आवश्यक है?
**(ख)** मुद्रित माध्यमों की तुलना में भाषा-शैली के स्तर पर रेडियो और टी. वी. पर प्रस्तुत किए जाने वाले समाचारों में विशेष सावधानी क्यों बरतनी चाहिए?
**(ग)** समाचार-पत्रों में अगर आर्थिक जगत से जुड़ी खबरें न हों तो वह संपूर्ण नहीं माना जाएगा, क्यों?

### (पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2 × 3 = 6**
**(क)** 'बात सीधी थी पर' शीर्षक कविता से ली गई पंक्ति 'भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फंस गई'—का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट करके लिखिए।

**(ग)** 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर लिखिए कि काव्य-रचना की प्रक्रिया किन चरणों से होकर एक कृति के रूप में पूर्ण होती है?

**11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2 × 2 = 4**

**(क)** 'बगुलों के पंख' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि 'चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें' से कवि क्या कहना चाहता है?

**(ख)** 'बादल राग' कविता में पूँजीपतियों की अट्टालिकाओं को 'आतंक भवन' क्यों कहा गया है?

**(ग)** 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास'— पंतग कविता से उद्धृत इस पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि कपास से बच्चों का क्या संबंध बनता है?

**12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2 × 3 = 6**

**(क)** 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए कि इन्दरसेना को लेखक 'मेंढ़क-मंडली' क्यों कहता था? जीजी के बार-बार कहने पर भी वह इन्दरसेना पर पानी फेंकने को राजी क्यों नहीं होता?

**(ख)** 'मैं ज़िंदगी में कभी चित नहीं हुआ'—पंक्ति में आए 'चित' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए, 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि लुट्टन ने इसका प्रयोग किस संदर्भ में किया है?

**(ग)** 'शिरीष के फूल' पाठ में बताया गया है कि कबीरदास को पंद्रह-बीस दिन का लहक उठना पसंद नहीं था। 'लहक उठना' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि क्या आप भी इसमें विश्वास रखते हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

**13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दों प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2 × 2 = 4**

**(क)** 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आधुनिक समाज में कार्य कुशलता के लिए क्या आवश्यक है? इसका आधार क्या होना चाहिए?

**(ख)** 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' शीर्षक के आधार पर लिखिए कि आंबेडकर के अनुसार आदर्श समाज की स्थापना के लिए क्या किया जाना चाहिए?

**(ग)** 'बाजार दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि बाजार जाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

**(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)**

**14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2 × 2 = 4**

**(क)** यशोधर बाबू का बार-बार किशनदा को याद करना उनका सामर्थ्य कहा जाएगा या उनकी कमज़ोरी? 'सिल्वर बैडिंग' कहानी के संदर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**(ख)** 'जूझ' कहानी के आधार पर दत्ताजी राव की किन्हीं दो चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

**(ग)** मुअनजो-दड़ो की गृह-निर्माण योजना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

**Delhi Set-2** **2/5/2**

**नोट:** निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

## खण्ड-'ब'

**(वर्णनात्मक प्रश्न)**

**(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)**

**7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6**

**(क)** 'बात सीधी थी पर' कविता से ली गई पंक्ति 'ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई' — का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे, हम समर्थ शक्तिवान' —'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता से ली गई इन पंक्तियों में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर कवि-कर्म और कृषि-कर्म में समानता और विविधता का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

**8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए 2×2=4**

**(क)** 'बगुलों के पंख' कविता में 'हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से'— पंक्ति का क्या अभिप्राय है?

**(ख)** 'बादल राग' शीर्षक कविता में बादलों को 'जीवन का पारावार' क्यों कहा गया है?

**(ग)** 'पतंग' कविता में 'डाल की तरह लचीले वेग'— से कवि का क्या आशय है?

**9. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6**

**(क)** 'काले मेघा पानी दे' पाठ के कथन 'काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं?' का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'शिरीष के फूल' पाठ से ली गई पंक्ति 'ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले' का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने ऐसा किस संदर्भ में कहा है?

**(ग)** 'पहलवान की ढोलक' पाठ में मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव की दयनीय स्थिति को चित्रित किया गया है। वर्तमान समय में क्या इस स्थिति में कुछ सुधार आया है। तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4**

**(क)** 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बाज़ार में कौन-सा चुंबकीय जादू होता है? कारण सहित अपने शब्दों में लिखिए।

**(ख)** 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि मनुष्य को पेशा बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

**(ग)** 'आंबेडकर के अनुसार शारीरिक वंश परंपरा की दृष्टि से मनुष्य में मित्रता होने के कारण तथा उसके साथ असमान व्यवहार किया जाना चाहिए? कथन पर टिप्पणी कीजिए।

### (पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4**

**(क)** 'वर्तमान युग में युवा पीढ़ी और बुजुर्गों के दृष्टिकोण में बहुत अन्तर दिखाई देता है, इसका क्या कारण है? 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में लिखिए।

**(ख)** 'जूझ' कहानी का उद्देश्य क्या है?

**(ग)** 'मुअनजो-दड़ो के घरों के अधूरे पायदानों पर खड़े होकर आप इतिहास को नहीं उसके पार झाँक सकते हैं।' इस कथन से लेखक का क्या आशय है?

## Delhi Set-3 2/5/3

**नोट:** निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

### (पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6**

**(क)** 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए कि भाषा को अर्थ की परिणति तक पहुँचाने के लिए कवि क्या-क्या प्रयास करता है और उसका क्या परिणाम निकलता है?

**(ख)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में समाज की जिस संवेदनहीनता का मार्मिक वर्णन हुआ है, क्या आपके दृष्टिकोण में भी समाज वैसा ही है या उसमें अन्तर है? स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर कवि-कर्म और कृषि-कर्म के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

**8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए 2×2=4**

**(क)** 'बगुलों के पंख' कविता में आई पंक्ति 'उसे तनिक रोक रक्खो' का भाव स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'बादल राग' कविता में बादल किसका प्रतीक है? इससे समाज का कौन-सा वर्ग प्रभावित होता है?

**(ग)** 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए कि 'बच्चों का सूरज के सामने आने' से क्या अभिप्राय है?

**9. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6**

**(क)** 'अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंकता है।'—'काले मेघा पानी दे' पाठ में यह वाक्य जीजी द्वारा किस संदर्भ में कहा गया है? स्पष्ट कीजिए। क्या आप उनके विचारों से सहमत हैं?

**(ख)** 'शिरीष के फूल' पाठ से ली गई पंक्ति 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास' का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक द्वारा यह पंक्ति किस उद्देश्य से कही गई है?

**(ग)** 'पहलवान की ढोलक' कहानी में अँधेरी रात को आँसू बहाते हुए क्यों दिखाया गया है?

**10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि बाज़ार पर आमंत्रण मूक होता है?

**(ख)** 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि रुचि आधारित कार्य न मिलने से देश के विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों?

**(ग)** 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर 'दासता' का अभिप्राय स्पस्ट कीजिए।

**(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)**

**11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'यशोधर बाबू के बच्चों की कौन-सी बातें आपको प्रशंसनीय लगती हैं? कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

**(ख)** आनंदा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल क्यों नहीं भेजना चाहते?

**(ग)** 'अजायबघर में प्रदर्शित चीजों में औज़ार तो हैं, पर हथियार कोई नहीं है।' — इस कथन से मुअनजो-दड़ो के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

**Outside Delhi Set-1** **2/4/1**

## खण्ड–'अ'

**(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)**

**1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 10 × 1 = 10**

प्रगति मैदान में बहुत से मेले लगते हैं, लेकिन विश्व पुस्तक मेला का अपना आनंद है। यह मेला नहीं, पुस्तकों के साथ जीने, उन्हें महसूस करने का उत्सव है। बीते तीन दशकों से, जब से सूचना प्रौद्योगिकी का प्रादुर्भाव हुआ है, मुद्रण तकनीक से जुड़े लोग इसी भय में जीते रहे हैं कि कहीं कंप्यूटर, टी.बी., सी.डी. की दुनिया छपे हुए अक्षरों को अपनी बहुरंगी चकाचौंध में उदरस्थ न कर ले। जैसे-जैसे चिंताएँ बढ़ीं, पुस्तकों का बाज़ार भी बढ़ता गया। उसे बढ़ना ही था—आखिर साक्षरता दर बढ़ रही है, ज्ञान पर आधारित जीविकोपार्जन करने वालों की संख्या बढ़ रही है। पुस्तकें इंसान को वैचारिक और मानसिक दुविधाओं के प्रश्नों का विकल्प देती हैं।

असल में विश्व पुस्तक मेला सिर्फ़ किताब खरीदने-बेचने की जगह नहीं है। यह पुस्तक प्रेमियों की ज़रूरत को एक स्थान पर पूरा करने का केवल बाज़ार नहीं हैं क्योंकि केवल पुस्तक खरीदने के लिए तो दर्जनों बेवसाइट उपलब्ध हैं, जो घर बैठे किताबें पहुँचा देती हैं, बल्कि एक उत्सव है। दरअसल, पुस्तक भी इंसानी प्यार की तरह होती है, जिससे जब तक बात न करो सामने न हो, स्पर्श न करो, अपनत्व का अहसास नहीं होता। फिर, तुलनात्मकता के लिए एक ही स्थान पर एक साथ इतने सजीव उत्पाद मिलना एक बेहतर प्रचार का विकल्प और मनोवृत्ति भी है।

पुस्तक मेला एक त्योहार है, पाठकों, लेखकों, व्यापारियों, बच चों का। हर दिर कई सौ पुस्तकों का लोकार्पण, बीस-पच्चीस, गोष्ठी-विमर्श, दस-पंद्रह लेखकों से बातचीत के सत्र और बच चों की गतिविधियाँ। ढ़ेर सारे विचार, मतांतर एक ही छत के नीचे, पर सभी का एक ही लक्ष्य, ज्ञान को विस्तार मिले।

दिन चढ़ते ही लोग कंधे छीलती भीड़ में उचक-उचक कर लेखकों को पहचानने का प्रयास करते हैं। कहीं कविता पाठ चलता है, तो कहीं पर व्यंग्य और कहानी पेश करने का आयोजन। इस मेले की खासियत यह भी है कि दूर-दराज से आए और नए लेखक अपनी पांडुलिपियाँ लेकर प्रकाशकों को तलाशते दिखते हैं। विदेशी मंडप में भले ही अधिकांश पुस्तकें केवल प्रदर्शन के लिए होती हैं, लेकिन कुछ लोग इनसे प्रेरणा प्राप्त करते भी दिखाई देते हैं। बच्चों की नैसर्गिक रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए बाल मंडप एक महत्त्वपूर्ण आकर्षण होता है। पुस्तक मेला में दिल और दिमाग, दोनों पुस्तक के साथ धड़कते-मचलते हैं, तभी तो यह मेला नहीं है, आनंदोत्सव है। पुस्तकों का वसंतोत्सव है, जो आश्वस्त करता है कि मुद्रित शब्दों की शक्ति, सहकार और सौंदर्य अब भी विद्यमान है।

**(i)** गद्यांश के आधार पर पुस्तकों का जीवन में महत्त्व है—
**(क)** ज्ञान अर्जित करने के लिए
**(ख)** रोजगार प्राप्त करने के लिए
**(ग)** मनोरंजन प्राप्त करने के लिए
**(घ)** वैचारिक और मानसिक भूख शांत करने के लिए

**(ii)** सूचना प्रौद्योगिकी से अभिप्राय है—
**(क)** सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाना।
**(ख)** सूचनाओं के आदान-प्रदान में तकनीक का प्रयोग करना।
**(ग)** सूचनाओं के आदान-प्रदान का विकास करना।
**(घ)** सूचना क्षेत्र में संदेश, तस्वीर या विचार दूसरे स्थान पर पहुँचाना।

**(iii)** सूचना प्रौद्योगिकी के प्रादुर्भाव से किस क्षेत्र के लोगों को अधिक चिंता होने लगी?
**(क)** छापे खाने से जुड़े लोगों को
**(ख)** तकनीक जगत से जुड़े लोगों को
**(ग)** आई.टी. जगत से जुड़े लोगों को
**(घ)** हाथ का काम करने वाले लोगों को

**(iv)** निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

**(I)** पुस्तक मेले में सितारों और चित्रकारों से मिलने का अवसर प्राप्त होता है।

**(II)** सैकड़ों पुस्तकों का लोकार्पण और लेखकों के साथ विचार-विमर्श करने का अवसर प्राप्त होता है।

**(III)** अलग-अलग मत के लोग एक छत के नीचे खड़े होकर चर्चा करते हैं।

**(IV)** पुस्तक मेले में घूमने-फिरने और मित्र बनाने का अवसर मिलता हैं।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?
**(क)** केवल कथन (I) सही है।
**(ख)** केवल कथन (II) सही है।

**(ग)** केवल कथन **(II)** और **(III)** सही हैं।

**(घ)** केवल कथन **(I)** और **(IV)** सही हैं।

**(v)** पांडुलिपि कहते हैं–

**(क)** हाथ से लिखित (हस्तलिखित) प्रति को

**(ख)** पाण्डवों द्वारा लिखित प्रति को

**(ग)** नई पुस्तक की प्रति को

**(घ)** अप्रकाशित पुस्तक की प्रति को

**(vi)** पुस्तक मेले में इनमें से क्या नहीं होता?

**(क)** कविता पाठ

**(ख)** कहानी वाचन

**(ग)** नई पुस्तक का प्रचार

**(घ)** पार्टी का प्रचार

**(vii)** गद्यांश में आई 'कंप्यूटर', टी.बी., सी.डी. की दुनिया छपे हुए अक्षरों को अपनी बहुरंगी चकाचौंध में उदरस्थ न कर ले।"–पंक्ति का आशय है–

**(क)** पढ़ाई से लोगों की रूचि न हटा दे।

**(ख)** पुस्तकों का महत्त्व कम न कर दे।

**(ग)** मुद्रित पुस्तकों का महत्त्व समाप्त न कर दे।

**(घ)** मुद्रित माध्यमों को समाप्त न कर दे।

**(viii)** मुद्रण तकनीक से संबंध है–

**(क)** पत्रकार का

**(ख)** लेखक का

**(ग)** प्रकाशक का

**(घ)** अर्थशास्त्री का

**(ix)** गद्यांश में पुस्तक मेले को लेखक ने 'आनंदोत्सव' की संज्ञा दी है, क्योंकि–

**(क)** असंख्य लोग यहाँ आकर आनंद प्राप्त करते हैं।

**(ख)** असंख्य लेखक, विचारक, मंत्री और सितारे वहाँ मिलते हैं।

**(ग)** यहाँ दिल और दिमाग दोनों लगते हैं।

**(घ)** यहाँ दिल और दिमाग दोनों को खुराक मिलती है।

**(x)** निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

**कथन:** विश्व पुस्तक मेला सिर्फ़ किताब खरीदने और बेचने की जगह नहीं है।

**कारण:** आज किताब खरीदने-बेचने के लिए दर्जनों वेबसाइट उपलब्ध हैं।

**(क)** कथन सही है, कारण गलत है।

**(ख)** कथन सही नहीं है, कारण सही है

**(ग)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

**(घ)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

**2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $5 \times 1 = 5$

अकेलेपन से जो लोग दु:खी हैं,
वृत्तियाँ उनकी
निश्चय ही, बहिर्मुखी हैं।
सृष्टि से बाँधने वाला तार
उनका टूट गया है;
असली आनन्द का आधार
छूट गया है।
उद्गम से छूटी गई नदियों में ज्वार कहाँ ?
जड़-कटे पौधों में जीवन की धार कहाँ ?
तब भी, जड़-कटे पौधों के ही समान
रोते हैं ये उखड़े हुए लोग बेचारे;
जीना चाहते हैं भीड़-भभ्भड़ के सहारे।
भीड़, मगर, टूटा हुआ तार
और तोड़ती है
कटे हुए पौधों की
जड़ नहीं जोड़ती है।
बाहरी तरंगों पर जितना ही फूलते हैं;
हम अपने को उतना ही और भूलते हैं।
जड़ जमाना चाहते हो
तो एकान्त में जाओ;
अगम-अज्ञात में अपनी सोरें फैलाओ।
अकेलापन है राह
अपने आपको पाने की;
जहाँ से तुम निकल चुके हो,
उस घर में वापस जाने की।

**(i)** वृत्तियाँ उनकी, निश्चय ही बहिर्मुखी हैं–पंक्ति के संदर्भ में 'वृत्ति' का अर्थ है–

**(क)** व्यापार **(ख)** स्वभाव

**(ग)** कर्त्तव्य **(घ)** वृत्तांत

**(ii)** 'उद्गम से छूटी हुई नदियों में ज्वार कहाँ'? पंक्ति से अभिप्राय है–

**(क)** मूल से अलग होने पर नदियों में प्रवाह नहीं रहता।

**(ख)** मूल से अलग होने पर नदियों का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

**(ग)** उद्गम स्थल से अलग होने पर नदियों में सौंदर्य नहीं रहता।

**(घ)** मूल से अलग होने पर जीवन का सौदर्य नहीं रहता।

**(iii)** भीड़ का क्या स्वभाव है?

**(क)** लोगों की आलोचन करना

**(ख)** पौधों को जड़ से काटना

**(ग)** दु:खी को और दु:खी करना
**(घ)** दूसरों का उपहास करना

**(iv)** 'बाहरी तरंगों पर जितना ही फूलते हैं '—पंक्ति में 'बाहरी तरंग' से आशय है—
**(क)** सांसारिक माया **(ख)** सागर की लहरें
**(ग)** दूसरों का सहारा **(घ)** भौतिक साधन

**(v)** 'जड़ जमाना चाहते हो, तो एकान्त में जाओ' —इन पंक्तियों में 'जड़ जमाना' से अभिप्राय है—
**(क)** अपने आप को पहचानना
**(ख)** अपने पाँव जमाना
**(ग)** अपना वर्चस्व स्थापित करना
**(घ)** बस जाना

## (अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

**3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 5 × 1 = 5**

**(i)** रमेश को हिन्दी भाषा के शब्दों को समझने में कठिनाई का अनुभव होता है इसीलिए संचार के निम्नलिखित माध्यमों में से उसके लिए कौन-सा माध्यम उपयुक्त रहेगा?
**(क)** टी.बी. **(ख)** समाचार पत्र
**(ग)** रेडियो **(घ)** सिनेमा

**(ii)** टी.वी.पर एंकर द्वारा रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर सूचनाएँ देना कहलाता है—
**(क)** ब्रेकिंग न्यूज **(ख)** ड्राई एंकर
**(ग)** लाइव **(घ)** एंकर पैकेज

**(iii)** किसी भी क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए तैयार की गई रिपोर्ट कहलाएगी—
**(क)** खोजी रिपोर्ट **(ख)** इन-डेप्थ रिपोर्ट
**(ग)** विश्लेषणात्मक रिपोर्ट **(घ)** विवरणात्मक रिपोर्ट

**(iv)** उलटा पिरामिड शैली की लोकप्रियता के संदर्भ में कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं, उचित विकल्प चुनकर लिखिए—
**(I)** समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है।
**(II)** इस शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना पिरामिड के निचले हिस्से में होती है।
**(III)** लेखन और संपादन की सुविधा के कारण यह समाचार लेखन की मानक शैली है।
**(IV)** इस शैली का आरम्भ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ।
**(क)** केवल कथन **(I)** सही है।
**(ख)** केवल कथन **(IV)** सही है।
**(ग)** कथन **(I)** और **(III)** सही हैं।
**(घ)** कथन **(I)** और **(II)** सही हैं।

**(v)** दृश्यों के साथ खबर लिखने की बुनियादी शर्त किस माध्यम में है?
**(क)** समाचार पत्र **(ख)** टेलीविज़न
**(ग)** रेडियो **(घ)** इंटरनेट

## (पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5 × 1 = 5**

जहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले वचन मनुज अनुसारी॥
अर्ध राति गइ कपि नहिं आवउ। राम उठाइ अनुज कर लायऊ॥
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ॥
मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेतु बिपिन हिम आतप बाता॥
सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि मम बच बिकलाई॥

**(i)** 'बोले बचन मनुज अनुसारी' का अभिप्राय है—
**(क)** मनुष्य द्वारा बोले जाने योग्य वचन
**(ख)** मनुष्य द्वारा अनुसरण करने योग्य वचन
**(ग)** मानव की प्रकृति के अनुरूप वचन
**(घ)** मानव सुलभ गुणों से युक्त वचन

**(ii)** 'सकहु न दुखित ..... मृदुल सुभाऊ' चौपाई के आधार पर लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ हैं—
**(क)** स्नेही, मृदुल, भ्रात-प्रेमी
**(ख)** मृदुल, आज्ञाकारी, कोमलचित
**(ग)** कोमल, स्नेही, आज्ञाकारी
**(घ)** कोमल, उदार, सहनशील

**(iii)** 'सो अनुराग कहाँ अब भाई' पंक्ति द्वारा राम लक्ष्मण के हृदय में विद्यमान किस भाव की ओर संकेत कर रहे हैं?
**(क)** बड़े भाई को कभी दु:खी न देखने का भाव
**(ख)** सबके प्रति हृदय में बिन्दुयमान कोमलता का भाव
**(ग)** बड़े भाई के प्रति कर्तव्यपालन का भाव
**(घ)** बड़े भाई के प्रति त्याग युक्त प्रेम का भाव

**(iv)** लक्ष्मण के हृदय में राम के प्रति अगाध प्रेम को व्यक्त करने वाली पंक्ति है—
**(क)** अर्ध रात्रि गइ कवि नहिं आवउ। राम उठाइ .....
**(ख)** सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा .....
**(ग)** मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेतु विपिन .....
**(घ)** सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि .....

**(v)** काव्यांश का केंद्रीय भाव है—
**(क)** लक्ष्मण के शोक में डूबे राम के विलाप का वर्णन करना
**(ख)** दु:ख की स्थिति दु:ख प्रभाव का वर्णन करना
**(ग)** राम के निर्मल और उदात्त चरित्र का वर्णन करना
**(घ)** लक्ष्मण द्वारा राम के लिए किए गए त्याग का वर्णन करना

**5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5 × 1 = 5**

क्या-क्या सामान बाँध लें, जिससे मुझे वहाँ किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ

जाने का अधिकार नहीं, यह आश्वासन भक्तिन के लिए कोई मूल्य नहीं रखता। वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित। भला ऐसा अंधेर हो सकता है। जहाँ मालिक वहाँ नौकर—मालिक को ले जाकर बंद कर देने में इतना अन्याय नहीं; पर नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है। ऐसा अन्याय होने पर भक्तिन को बड़े लाट तक लड़ना पड़ेगा। किसी की माई यदि बड़े लाट तक नहीं लड़ी, तो नहीं लड़ी; पर भक्तिन का तो बिना लड़े काम ही नहीं चल सकता।

**(i)** 'ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं।' पंक्ति में प्रयुक्त 'ऐसी यात्रा' से क्या अभिप्राय है?

**(क)** तीर्थ यात्रा **(ख)** जेल यात्रा
**(ग)** अंतिम यात्रा **(घ)** विदेश यात्रा

**(ii)** भक्तिन किस बात को अपने लिए अपमान समझती थी?

**(क)** पाक कला में मीन-मेख निकालने को
**(ख)** महादेवी जी की आज्ञा का पालन न करने को
**(ग)** उनकी पसंद का खाना न बना सकने की बात को
**(घ)** कठिन परिस्थितियों में महादेवी जी को अकेला छोड़ देने को

**(iii)** गद्यांश के संदर्भ में 'अंधेर होना' का क्या अर्थ है?

**(क)** अंधकार होना **(ख)** बेईमानी होना
**(ग)** अपमान होना **(घ)** अन्याय होना

**(iv)** 'क्या-क्या ..... असुविधा न हो सके।' — इस वाक्य से महादेवी जी के प्रति भक्तिन की किस भावना का पता चलता है?

**(क)** निष्ठा और कर्तव्यपरायणता
**(ख)** दृढ़ता और धर्मपरायणता
**(ग)** आत्मीयता और भावुकता
**(घ)** सेवा और तत्परता

**(v)** भक्तिन बड़े लाट साहब से भी लड़ने को क्यों तैयार है?

**(क)** महादेवी जी को जेल भेजने का आदेश देने के कारण
**(ख)** छोटे-छोटे लड़कों को जेल में डालने के कारण
**(ग)** स्वतंत्रता सेनानियों को जेल में डालने के कारण
**(घ)** महादेवी जी को जेल में डालने और उसे मुक्त छोड़ने के कारण

## (पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:10 × 1 = 10**

**(i)** यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की की खुशी को भी 'समहाउ इंप्रापर' क्यों अनुभव करते थे?

**(क)** बच्चों ने उन्हें आदर देना बंद कर दिया था।
**(ख)** इससे अपनों में परायापन पैदा हो गया था।
**(ग)** इससे बच्चों में स्वच्छंदता बढ़ गई थी।
**(घ)** इससे बच्चों की जीवन-शैली आधुनिक हो गई थी।

**(ii)** यशोधर बाबू की पत्नी आधुनिकाओं-सा आचरण क्यों करने लगी थी?

**(क)** मन में दबी इच्छाओं के कारण
**(ख)** पारिवारिक खुशी के कारण
**(ग)** मातृसुलभ मज़बूरी के कारण
**(घ)** सुविधाजनक होने के कारण

**(iii)** यशोधर बाबू ने डी.डी.ए. का फ्लैट क्यों बुक नहीं किया था?

**(क)** रिटायरमेंट के बाद गाँव में जाकर बसना चाहते थे।
**(ख)** लड़कों में से किसी एक लड़के के सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।
**(ग)** फ्लैट बुक कराने के लिए पैसे नहीं थे।
**(घ)** योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करते थे।

**(iv)** निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

**(I)** किशनदा ने यशोधर बाबू को नौकरी दिलवाई और जीवन में मार्गदर्शन किया।
**(II)** यशोधर बाबू का दैनिक खर्च नगण्य था इसलिए उनके बटुए में पैसे कम होते थे।
**(III)** दफ्तर से लौटते हुए बिड़ला मंदिर जाना उन्होंने किशनदा से सीखा था।
**(IV)** यशोधर बाबू का मानना था काम तो सब अपने हाथ से ही ठीक रहता है।

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के अनुसार उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

**(क)** केवल कथन (I) सही है।
**(ख)** केवल कथन (II) सही है।
**(ग)** कथन (II) और (III) सही हैं।
**(घ)** कथन (I), (II), (III) और (IV) सही हैं।

**(v)** "अब तू ही बता, मैं का करूँ?"—इस कथन से आनंदा की माँ के चरित्र की कौन- सी विशेषता प्रकट होती है?

**(क)** विवशता **(ख)** दुर्बलता
**(ग)** अक्षमता **(घ)** परवशता

**(vi)** आनंदा के पिता ने उसे पाठशाला भेजने के लिए कौन-सी शर्त नहीं रखी?

**(क)** सुबह खेतों में पानी लगाना
**(ख)** स्कूल से आकर ढोर चराना
**(ग)** सुबह शाम गाय-भैंस दुहना
**(घ)** अधिक काम होने पर स्कूल से छुट्टी लेना

**(vii)** 'उस चक्की की अपेक्षा मास्टर की छड़ी की मार अच्छी लगती थी।'—इस वाक्य में किस चक्की की ओर संकेत किया गया है?

**(क)** खेती के काम की चक्की
**(ख)** आटा पीसने की चक्की
**(ग)** घर के काम की चक्की
**(घ)** कोल्हू से रस निकालने की चक्की

**(viii)** 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:

**कथन:** देखना अपनी आँख से देखना है। बाकी सब आँख का झपकना है।

**कारण:** यथार्थ का अनुभव स्वयं किया जा सकता है, कहना-सुनना केवल दिखावा मात्र है।

**(क)** कथन सही है, कारण गलत है।

**(ख)** कथन सही नहीं है, कारण सही है।

**(ग)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

**(घ)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

**(ix)** मुअनजो-दड़ो की खुदाई में मिले कोठार का उपयोग अनाज संग्रह के लिए किया जाता होगा। इस विश्वास का आधार है–

**(क)** कोठार का वास्तुशिल्प

**(ख)** संग्रहालय में मिले गेहूँ के दाने

**(ग)** बैलगाड़ी के साक्ष्य

**(घ)** पत्थर के औजार

**(x)** 'अतीत में दबे पाँव' पाठ से उद्धृत 'रेगिस्तान के जहाज से हवा के जहाज का यह ऐतिहासिक गठजोड़ है।'–कथन का अभिप्राय है–

**(क)** ऊँटगाड़े में जहाज के उतारू पहियों का प्रयोग

**(ख)** राजस्थान तक हवाई-यात्रा का प्रबंध

**(ग)** ऊँटगाड़े का सड़कों पर हवा की तरह दौड़ना

**(घ)** ऊँटगाड़े में हवा वाले पहियों का प्रयोग

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

### (जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

**7. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: 6**

**(क)** जीवन में सदाचार का महत्त्व

**(ख)** सौर ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत

**(ग)** रेल की खिड़की से बाहर का दृश्य

**8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 2×2=4**

**(i) (क)** मुद्रित माध्यमों में पढ़ी हुई कहानी की तुलना में दृश्य माध्यम पर देखी गई कहानी को लोग देर तक क्यों याद रखते हैं?

**अथवा**

**(ख)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति और दूरदर्शन कर्मी के बीच हुए संवाद के दृश्य को लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

**(ii) (क)** रेडियो नाटक की कहानी पूरी तरह एक्शन (क्रिया) प्रधान क्यों नहीं होनी चाहिए?

**अथवा**

**(ख)** रटंत से क्या अभिप्राय है? यह बुरी लत क्यों है?

**9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानूपर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए: 2×3=6**

**(क)** समाचार पत्र-पत्रिका के संदर्भ में लेख से क्या तात्पर्य है? लेख लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

**(ख)** पत्रकारीय लेखन का संबंध किससे है और यह साहित्यिक और सृजनात्मक लेखन से अलग कैसे है?

**(ग)** मीडिया की भाषा में 'बीट' किसे कहते हैं? बीट रिपोर्टर बनने के लिए एक पत्रकार में क्या योग्यता होनी चाहिए?

### (पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**10. काव्य-खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: 2×3=6**

**(क)** 'शीतल वाणी में आग लिए फिरना'–यह पंक्ति किस अर्थ को द्योतित करती है? 'आत्मपरिचय' कविता के संदर्भ में लिखिए।

**(ख)** कविता और फूलों के खिलने की प्रक्रिया के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कवि ने किसे और क्यों श्रेष्ठ सिद्ध किया है?

**(ग)** 'बात सीधी थी पर' कविता के संदर्भ में लिखिए कि आप अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए सहज, सरल भाषा का प्रयोग करेंगे या क्लिष्ट अलंकृत भाषा का। तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**11. काव्य-खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए: 2×2=4**

**(क)** 'बस करौ/नहीं हुआ/रहने दो'–इस प्रकार के शब्द मीडियाकर्मी द्वारा क्यों कहे गए? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में कारण सहित लिखिए।

**(ख)** 'क्रांति की गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है? वह अपना मुँह क्यों ढाँप लेते है?'–'बादल राग' कविता के संदर्भ में लिखिए।

**(ग)** 'रुबाइयाँ' शीर्षक कविता से ली गई–"हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी"–पंक्ति के संदर्भ में 'गोद-भरी' प्रयोग का भाव स्पष्ट कीजिए।

**12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: 2×3=6**

**(क)** 'बाजार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि पर्चेजिंग पावर से क्या अभिप्राय है? यह किस रूप में दिखाई देता है?

**(ख)** 'काले मेघा पानी दे'—पाठ में आया कथन "पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-आठगुना करके लौटाएँगे"—भारतीय संस्कृति की किस विशेषता का परिचायक है, और मानव समाज के लिए क्यों हितकर है?

**(ग)** 'दु:ख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना।' 'शिरीष के फूल' पाठ में आई यह पंक्ति किसके लिए कही गई, उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

**13. गद्य खंड का आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए: 2×2=4**

**(क)** 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि गाँव भथार्त शिशु की तरह क्यों काँप रहा था?

**(ख)** श्रम विभाजन से क्या अभिप्राय है और इसकी क्या आवश्यकता है? 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए।

**(ग)** 'उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले इसका प्रयोग अपने ऊपर करती'—'भक्तिन' पाठ में लेखिका ने यह कथन किस संदर्भ में और क्यों कहा?

**(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)**

**14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: 2×2=4**

**(क)** 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में सिद्ध कीजिए कि समय के साथ न बदलने से व्यक्ति अकेला क्यों हो जाता है?

**(ख)** 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए कि लेखक की आनन्दा से आनंद यादव बनने की यात्रा में 'मास्टर सौंदलगेकर की क्या भूमिका थी?

**(ग)** आज जल संकट एक बड़ी समस्या है, क्या ऐसे में सिन्धु सभ्यता के महानगर मुअनजो-दड़ो से जल-व्यवस्था की प्रेरणा ली जा सकती है? उचित उत्तर दीजिए।

**Outside Delhi Set-2** **2/4/2**

**नोट:** निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

## खण्ड-'ब'

**(वर्णनात्मक प्रश्न)**

**(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)**

**7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6**

**(क)** 'मैं फूट पड़ा तुम कहते छंद बनाना' — 'आत्मपरिचय' कविता से ली गई इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'कविता के बहाने' कविता से ली गई पंक्ति 'सब घर एक कर देने के माने' — का आशय कविता और बच्चों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए कि 'कील की तरह ठोकना' का क्या अर्थ है? कवि ने अपनी बात को कील की तरह क्यों ठोक दिया?

**8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए — 2×2=4**

**(क)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मीडियाकर्मियों को धुर संवेदनहीन व्यक्तियों के रूप में प्रस्तुत किया गया है, क्या वास्तव में हमारा समाज इतना ही संवेदनहीन हो गया है, या उसका कोई उज्जवल पक्ष भी है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**(ख)** 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि विप्लवी बादल की युद्ध रूपी नौका में क्या-क्या भरा हुआ है? इसकी क्या विशेषता है? स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'रुबाइयाँ' शीर्षक से ली गई 'घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े'—पंक्ति के आधर पर माँ की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

**9. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6**

**(क)** 'मन लक्ष्य से भरा हो तो बाजार भी फैला का फैला ही रह जाएगा।' बाजार दर्शन' पाठ के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक ने लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व को पानी के संदर्भ में किस प्रकार रचा है? स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक द्वारा शिरीष, अवधूत और गाँधी जी को समानांतर किस आधार पर रखा गया है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'लुट्टन सिंह के पक्ष में न तो राजमत था और न ही बहुमत, फिर भी उसे कुश्ती में विजय कैसे प्राप्त हुई? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए।

**(ख)** 'श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन का अंतर' श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर लिखिए कि लोकतंत्र से क्या अभिप्राय है।

### (पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'अभी तुम्हारे अब्बा की इतनी साख है कि सौ रुपए उधार ले सके।' यह कथन यशोधर बाबू द्वारा किन परिस्थितियों में कहा गया? स्पष्ट कीजिए।

**(ख)** 'प्रोत्साहन से आत्मविश्वास को दृढ़ता मिलती है।' 'जूझ' कहानी के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

**(ग)** 'साधन संपन्न, समृद्ध सभ्यता होते हुए भी सिंधु घाटी सभ्यता की संपन्नता की बात इतिहास में कम क्यों हुई है?

**Outside Delhi Set-3** **2/4/3**

**नोट:** निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

## खण्ड–'ब'

### (पाठ्पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6**

**(क)** मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ' 'आत्मपरिचय' कविता से उद्धृत इस पंक्ति का क्या आशय है?

**(ख)** 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए कि कविता की विकास-प्रक्रिया फूलों की तरह होने पर भी फूल उसका मर्म क्यों नहीं समझ सकते?

**(ग)** 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कथ्य अधिक महत्त्वपूर्ण है अथवा माध्यम?

**11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4**

**(क)** शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति की शब्दहीन पीड़ा को मीडियाकर्मी किस प्रकार अभिव्यक्त कराना चाहता है? क्या वह अपने उद्देश्य में सफल होता है? कारण लिखिए।

**(ख)** 'बादल राग' कविता के संदर्भ में 'पंक' और 'जलज' का प्रतीकार्य लिखते हुए स्पष्ट कीजिए कि क्रांति का इन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

**(ग)** 'रुबाइयाँ' शीर्षक से ली गई पंक्ति–'किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को'– के संदर्भ में लिखिए कि बच्चा माँ की ओर क्यों देख रहा है?

**12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6**

**(क)** 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बाज़ार का वह कौन-सा रूप है जिसका पोषण करने वाला शास्त्र अर्थशास्त्र न होकर नीतिशास्त्र है? और क्यों?

**(ख)** 'अपनी ज़रूरत पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए जो कुछ दो, वह त्याग होता है।'– 'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

**(ग)** 'शिरीष के फूल' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं'–का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने कालदेवता से बचने का क्या उपाय बताया है?

**13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि बीमारी की विभीषिका से क्रंदन करता हुआ गाँव और अधिक भयावह रूप किन परिस्थितियों में ग्रहण कर लेता था?

**(ख)** 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि भारत में जाति आधारित ऐसी कौन-सी व्यवस्था है जो पूरे विश्व में कहीं नहीं पाई जाती?

**(ग)** समाज को अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करने के लिए आंबेडकर ने क्या सुझाव दिए है? अपने शब्दों में लिखिए।

### (पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4**

**(क)** 'बच्चों द्वारा घर में लाए गए भौतिक सुख-सुविधा के साधनों के प्रति यशोधर पंत जी की क्या धारणा थी? सिल्वर बैडिंग' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

**(ख)** 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए कि पाठशाला में आनंदा का पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?

**(ग)** 'सिंधु घाटी सभ्यता' में प्रभुत्व या दिखावे के तेवर का अभाव था' –सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

❑❑❑

# उत्तरमाला

**Delhi Set-1** **2/5/1**

## खण्ड-'अ'

### (बहुविकल्पीय वस्तुपरक प्रश्न)

**1. (i) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—चैटबॉटस में इंसानों की तरह सवालों के जवाब देने की क्षमता है। ये बारीकियों की व्याख्या कर सकते हैं, साथ ही तथ्यों को विश्वास के साथ साझा कर सकते हैं।

**(ii) विकल्प (घ) सही है।**

**(iii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज़्यादा ध्यान केन्द्रित करते हैं जबकि ऐसा करना गूगल या बिंग के लिए मुश्किल है।

**(iv) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—चैटबॉट्स जटिल संवाद करने में सक्षम हैं और भविष्य में चैटबॉट्स सही-गलत को पहचानने में भी सक्षम होंगे।

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता है। इससे मिली जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है।

**(vi) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—सबसे प्राचीन चैटबॉट का नाम एलिजा है।

**(vii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—अभी चैटबॉट्स सब कुछ नहीं जानता। इसके द्वारा दी गई जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है।

**(viii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—चैटबॉट्स की अवधारणा का 1950 के दशक से ही एक इतिहास रहा है जिसमें से एक एलिजा है जिसे 1960 के दशक में कम्प्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ बीजेबाम ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था।

**(ix) विकल्प (घ) सही है।**

**(x) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—कई भाषाओं के विकल्पों के साथ डिजिटल संचार पाठ से आवाज़ की ओर बढ़ रहा है। हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है।

**2. (i) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—पंद्याश के अनुसार संख्याओं का जन्म गर्भ में हमारे साथ ही होता है।

**(ii) विकल्प (घ) सही है।**

**(iii) विकल्प (ग) सही है।**

**(iv) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—प्रस्तुत पंक्ति में पिंजरा शब्द का आशय मनुष्य रूपी देह अर्थात् शरीर से है।

**(v) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले हुआ है इसलिए संख्याओं को शब्दों का पूर्वज कहा गया है।

**3. (i) विकल्प (क) सही है।**

**(ii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—जनसंचार के अन्य माध्यमों की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता तेजी से लोकप्रिय हो रही है क्योंकि इसमें खबरें कम समय में तीव्र गति से पहुँचती हैं।

**(iii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए पत्रकारों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न रूप पत्रकारीय लेखन के अन्तर्गत आते हैं।

**(iv) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—साक्षात्कार मौखिक रूप से लिया जाता है उसे लिखा नहीं जाता है।

**(v) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप समाचार लेखन है।

**4. (i) विकल्प (ख) सही है।**

**(ii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—हनुमान द्वारा लाई गई संजीवनी बूटी से लक्ष्मण की मूर्च्छा समाप्त हो गई थी और वे पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गए थे इसलिए भालू और कपि समूह प्रसन्न थे।

**(iii) विकल्प (घ) सही है।**

**(iv) विकल्प (क) सही है।**

**(v) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—व्याकुल रावण युद्ध में सहायता पाने के लिए कुम्भकरण के पास गया होगा।

**5. (i) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए भक्तिन की सास ने भक्तिन को उसके पिता की मृत्यु के बारे में नहीं बताया था।

**(ii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—भक्तिन की सास ने उसे मायके जाने को कहा तो वह खुश हो गई परन्तु गाँव की सीमा पर पहुँचते ही उसकी सारी खुशी समाप्त हो गई। क्योंकि उसे उसके पिता की मृत्यु की खबर गाँव वालों से लग गई थी।

**(iii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—गाँव वालों द्वारा कहे गए शब्द 'हाय लछमिन अब आई' उसके प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं।

**(iv) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—गद्यांश में प्रयुक्त अप्रत्याशित अनुग्रह सास का भक्तिन को नैहर (मायके) जाने के लिए कहना था।

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—विमाता के व्यवहार से दु:खी और अपमानित भक्तिन उल्टे पाँव ससुराल लौट आई थी।

**6. (i) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—यशोधर बाबू के पत्नी और बच्चे आधुनिक विचारों के हैं इसलिए उनका अपनी पत्नी और बच्चों से मतभेद रहता है और वे सोचते है कि घर गृहस्थी का बबाल न पालकर जीवन समाज के नाम समर्पित कर देना चाहिए था।

**(ii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—यशोधर बाबू ने यही कल्पना की थी कि उनका कोई लड़का उनका रिटायर होने से पहले सरकारी नौकरी में आ जाएगा और क्वार्टर उनके पास बना रहेगा। यही सोचकर उन्होंने फ़्लैट के लिए पैसा जमा नहीं कराया था।

**(iii) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—यशोधर बाबू हर सवेरे किशनदा से चाय पीने का अनुरोध करते थे और किशनदा भी कभी-कभी उनके इस अनुरोध को मान लेते थे।

**(iv) विकल्प (घ) सही है।**

**(v) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—आनंदा के पिता के सामने आनंदा की माँ की एक न चलती थी। वह आनंदा के पिता की बात मानने के लिए विवश थी लेकिन वह चाहती थी कि आनंदा आगे पढ़ाई करे।

**(vi) विकल्प (ग) सही है।**

**(vii) विकल्प (क) सही हैं।**

**व्याख्या**—जिस प्रकार कौए के बच्चे को पक्षी चोंच मार-मार कर परेशान करते हैं उसी प्रकार आनंदा की कक्षा में बच्चों द्वारा उसकी खिल्ली उड़ाई जा रही थी।

**(viii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—यह कथन असत्य है कि महाकुंड के चारों तरफ़ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं। वहाँ पर तीन तरफ़ साधुओं के कक्ष बने हैं।

**(ix) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—विकल्प (A), (C), (D) सही सुमेलित युग्म हैं। विकल्प (B) सही सुमेलित युग्म नहीं हैं क्योंकि मुअनजो-दड़ो में महन्तों की समाधियों के लिए सबूत नहीं मिले हैं।

**(x) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—'महाकुंड' जो सिंधु घाटी सभ्यता के अद्वितीय वास्तु कौशल को स्थापित करने के लिए अकेला ही काफ़ी माना जाता है। असल में यहाँ यही एक निर्माण है जो अपने मूल स्वरूप के बहुत नज़दीक बचा रह सका है।

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

**7. (क) ओ. टी. टी. पर्दा—मनोरंजन की नई परिभाषा**

भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग वर्तमान में मज़बूत विकास की ऊँचाइयों पर खड़ा है। ओ. टी. टी. का इसमें एक प्रमुख स्थान है एवं आई.बी.ई.एफ के एक शोध में कहा गया है कि वीडियो-ऑन-डिमांड और लाइन सेवाओं से युक्त ओ. टी. टी. वीडियो सेवाओं का बाज़ार 29.52 प्रतिशत की सी. ए. जी. आर से बढ़ने की उम्मीद है और वित्त वर्ष 26 तक इसका मूल्य 5.12 बिलियन डॉलर होगा। कई प्रकार की उद्योग रिपोर्ट से यह पता चलता है कि भारत ज़ल्द ही अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा ओ. टी. टी. बाज़ार हो सकता है। ओ.टी. टी. बाजार में कोरोनावायरस के प्रकोप के साथ तेज़ी से वृद्धि हुई है। महामारी से प्रेरित लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के मानदंड़ों ने लोगों को घर से काम करने और टेलीविज़न, रेडियो की पारम्परिक प्रथाओं के अलावा मनोरंजन के अन्य रूपों का पता लगाने में सक्षम बनाया है। उस समय थिएटर भी बंद थे इसलिए निर्माताओं और निर्देशकों को अपनी फिल्म रिलीज करने के लिए ओ. टी. टी. पर्दे का सहारा लेना पड़ा। इस दौरान मीडिया और मनोरंजन उद्योग में भारी बदलाव आया और ओ. टी. टी. सबसे आगे उभर कर आया जिसके परिणाम स्वरूप इसने बहुत कम समय में प्रमुखता प्राप्त कर ली है। विशेष रूप से युवा दर्शक और युवा पीढ़ी डिजिटल साम्रगी देखने के इस चलन की ओर आकर्षित हुई है। टी. वी. देखने की एक समय सीमा होती है अब टी. वी. सामग्री में एकरूपता और अतिरेक से थकान महसूस होने लगी है। टेलीविज़न एक विशेष शेड्यूल की माँग करता है जिसका पालन युवा दर्शक नहीं कर सकते। इसके अलावा टेलीविज़न देखना आमतौर पर परिवार के साथ होता है। इसके विपरीत मोबाइल फोन देखना व्यक्तिगत होता है। ओ. टी. टी. प्लेट फार्म गो.टू व्यइंग की पेशकश करते हैं जो भावी पीढ़ी को अपने शेड्यूल और प्राथमिकताओं के अनुसार सामग्री का उपभोग करने की अनुमति देता है।

**(ख) बढ़ती जनसंख्या—घटते संसाधन**

भारत की जनसंख्या जिस तेज़ी के साथ बढ़ रही है वह एक चिंता का कारण बन गया है। समय रहते अगर जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में इसके दूरगामी दुष्परिणाम होंगे। आज भारत की जनसंख्या 125 करोड़ से भी अधिक है। जनसंख्या की दृष्टि से पूरे विश्व में भारत पहले स्थान पर और चीन दूसरे स्थान पर आ गया है। पहले चीन जनसंख्या की दृष्टि से पहले स्थान पर था लेकिन अब उसका स्थान भारत ने ले लिया है। आज सभी बुद्धिजीवियों और राजनीतिक पार्टियों को इस विषय पर चिंता प्रकट करनी चाहिए। जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण अज्ञानता का होना है। इसके साथ ही विवाह की अनिवार्यता, एक से अधिक विवाह करना एवं अनपढ़ होना भी जनसंख्या वृद्धि के कारण हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण

संसाधनों में भी कमी होती जा रही है। आज कहीं भी चले जाओ चाहे रेलवे स्टेशन हो, बस स्टैंड हो, बैंक हो, हर जगह लाइन में लगना पड़ता है। आने वाले समय में पीने का पानी भी खत्म हो जाएगा। अगर जनसंख्या को बढ़ने से नहीं रोका गया तो घर बनाने के लिए जगह हीं बचेगी। सारे जंगल समाप्त हो जाएँगे और धरती का संतुलन बिगड़ जाएगा इसलिए जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए राष्ट्रीय नीति बननी चाहिए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन करने के लिए उपाए किए जाने चाहिए। परिवार नियोजन को राष्ट्रीय कार्यक्रम का दर्ज़ा दिया जाना चाहिए। लोगों को जागरूक करना चाहिए कि जनसंख्या वृद्धि देश को विनाश के कगार पर ले जा सकती है।

**(ग) घर के कबाड़घर में रखा पुराना टी. वी**

आजकल स्मार्ट टी. वी. का चलन है। सभी के घरों में पुरानी टी. वी. की जगह कवाड़घर में हैं क्योंकि सभी आधुनिक समाज में रहते हैं और आधुनिक स्मार्ट चीज़ों का प्रयोग अपने जीवन में करते हैं। अगर आपके घर के कबाड़घर में भी पुराना टी. वी. है तो उसे जल्दी ही कबाड़ी को बेच दें अन्यथा आने वाले दिनों में उसको ठिकाने लगाने के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ सकते हैं। दुनिया में पुराने बिजली के सामान की तेज़ी से बढ़ोत्तरी हो रही है। खराब सामान को कोई रिपेयर नहीं कराना चाहता इसलिए रिपेयर की विधा अब समाप्त होती जा रही है क्योंकि न लोगों के पास इतना ज्ञान बचा है और न ही पब्लिक को इसकी उपयोगिता समझ में आती है। साथ ही नए फीचर्स के साथ उपलब्ध नित नए उत्पादों की चमकदमक और उनकी सस्ती कीमत की तरफ़ उपभोक्ता आसानी से आकर्षित हो जाते हैं।

**8. (i) (क)** कहानीकार द्वारा कहानी में वर्णित मानसिक द्वंद्व को नाटक में रूपांतरित करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है–

1. नाट्यरूपांतरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता का नाटक के पात्रों से मेल होना चाहिए।
2. पात्रों की भावभंगिमाओं तथा उनके व्यवहार का उचित ध्यान रखना चाहिए।
3. पात्र अभिनय के अनुरूप होने चाहिए।
4. कहानी का नाट्यरूपांतरण करते समय पात्र घटनाओं के अनुरूप मनोभावों को प्रस्तुत करने वाले होने चाहिए।

**अथवा**

**(ख)** युद्ध में सहायता माँगने के उद्देश्य से जब रावण कुम्भकरण के पास पहुँचा और सीता का प्रकरण कुम्भकरण को सुनाया तब कुम्भकरण ने रावण को धिक्कारा और रावण से कहा कि तुम मूर्ख हो। जगत्-जननी सीता का हरण करके कल्याण की बात सोचना मूर्खता ही है। अब किसी भी प्रकार तुम्हारा भला नहीं हो सकता है।

**(ii) (क)** नए विषयों पर लेखन कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आज आपने सुबह का अखबार देखा होगा। उसकी कम-से-कम खास-खास खबरों पर एक नज़र दौड़ाई होगी। उन खबरों को देखते हुए अपने समय और समाज की जो तस्वीर आपके मन में बनती है उस तस्वीर को एक लेख में व्यक्त करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि जिन विचारों को कह डालना हमारे लिए कठिन नहीं होता, उन्हें लिख डालने का निमंत्रण एक चुनौती की तरह लगने लगता है। इसका कारण है कि हम में से ज़्यादातर लोग आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास ही नहीं करते। अभ्यास के हर मौके को हम रटंत पर निर्भर होकर गँवा बैठते हैं। यहाँ रटंत का अर्थ है कि दूसरों की तैयार की गई सामग्री को ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत करना।

**अथवा**

**(ख) सिनेमा या रंगमंच और रेडियो नाटक में निम्नलिखित अंतर होता है–**

| सिनेमा या रंगमंच | रेडियो नाटक |
|---|---|
| 1. सिनेमा या रंगमंच को हम देख और सुन सकते हैं। | 1. रेडियो नाटक एक श्रव्य माध्यम है। |
| 2. सिनेमा की प्रस्तुति दृश्य एवं श्रव्य दोनों माध्यमों से होती है। | 2. रेडियो नाटक की प्रस्तुति संवादों एवं ध्वनि दोनों माध्यमों से होती है। |
| 3. सिनेमा में एक्शन होते हैं। | 3. रेडियो नाटक में एक्शन की गुंजाइश नहीं होती। |
| 4. सिनेमा की अवधि सीमित होती है लेकिन पात्रों की संख्या असीमित होती है। | 4. रेडियो नाटक की अवधि सीमित होती है इसलिए पात्रों की संख्या भी सीमित होती है क्योंकि सिर्फ आवाज़ के सहारे पात्रों को याद रख पाना मुश्किल होता है। |

**9. (क)** वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जो अपने अंदर टी. वी. प्रिंट, और रेडियो को समेटे हुए है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेज़ी के साथ बढ़ा है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। नई तकनीकों से लैस मोबाइल, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा है। आज कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सब वेब पत्रकारिता का ही कमाल है। इतना सब होते हुए भी इसके सामने चुनौती और समस्याएँ हैं। पहली चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में वेब पत्रकारिता कुछ लोगों तक ही सीमित है। हालाँकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कम्पनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गाँवों तक पहुँच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के सामने तकनीकी ज्ञान की है। एक बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी खड़ा हो रहा है। क्योंकि लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि वे किस पर विश्वास करें। वेब पत्रकारिता के विकास के लिए आवश्यक है कि लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जाए जिससे वह इसका प्रयोग असानी से कर सकें।

**(ख)** मुद्रित माध्यमों की तुलना में भाषा-शैली के स्तर पर रेडियो और टी. वी. पर प्रस्तुत किए जाने वाले समाचारों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि रेडियो की तरह दूरदर्शन को भी सभी प्रकार के लोग देखते हैं जिनमें अनपढ़ तथा पढ़े-लिखे लोग समान रूप से हैं। इसलिए इसके वाक्य सीधे, सरल व छोटे होने चाहिए तथा ऐसे शब्दों का चयन करना चाहिए जो सुनने में स्पष्ट एवं मधुर होने चाहिए। भाषा में गतिमयता, सुबोधता और सहायता का होना बहुत जरूरी है।

**(ग)** आर्थिक जगत् से जुड़ी खबरों के बिना समाचार पत्र सम्पूर्ण नहीं माना जाएगा क्योंकि आर्थिक जगत का उपयोग उस रिपोर्टिंग का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो किसी समुदाय या देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी खबर का अनुसरण करता है। आर्थिक समाचारों में नवीनतम विश्लेषण, वर्तमान घटनाओं और आर्थिक संकेतकों जैसे—केन्द्रीय बैंक समाचार, बेरोज़गारी संख्या, जीडीपी और बहुत कुछ में अनदेखी होती है जिसके बिना समाचार पत्र अधूरा है अत: कह सकते हैं कि अगर समाचार पत्रों में आर्थिक जगत् से जुड़ी खबरें न हों तो वह सम्पूर्ण नहीं माना जाएगा।

**10. (क)** कवि के अनुसार सीधी बात भाषा में उलझ गई। कवि ने सारी समस्या को धैर्य के साथ नहीं समझा और बिना समझे ही हल ढूँढ़ने के बजाय वह और अधिक शब्दों के जाल में फँसता चला गया और बात का पेंच खुलने के स्थान पर टेड़ा होकर कसता चला गया इससे कवि की भाषा और कठिन हो गई।

**(ख)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता वास्तव में मीडिया द्वारा लोगों की पीड़ा व दर्द बेचने की स्थिति को दर्शाती है। तथाकथित संवेदन शील कार्यक्रमों का संचालन करने वाले स्वयं संवेदनहीन होते हैं। वे पीड़ित व्यक्ति से अर्थहीन प्रश्न पूछते हैं क्योंकि उनका उद्देश्य सिर्फ़ ऐसे प्रश्न करना है जिससे पीड़ित व्यक्ति के आँसू छलक उठें और दर्शक उनके कार्यक्रम में रुचि लें। उन्हें पीड़ित व्यक्ति की वेदना से कोई लगाव नहीं होता है, वे सिर्फ़ पीड़ित व्यक्ति की वेदना को बेचकर व्यापार करना चाहते हैं। यह इंसानियत पर सबसे बड़ा व्यंग्य है।

**(ग)** एक कवि की काव्य रचना के अन्तर्गत तत्त्व, बुद्धि भावना, कल्पना आदि आते हैं। यहाँ कवि ने कर्म को कृषक के कार्य के समान बताया है। किसान भी खेतों में बीज बोता है, वह बीज अंकुरित होकर फसल बनता है और लोगों का पेट भरता है। उसी प्रकार कवि भी कागज रूपी खेत पर अपने विचार उकेरता है। वह विचार कल्पना का आश्रय पाकर विकसित हो रचना का रूप धारण कर लेता है। इस रचना के रस भरे काव्य से मनुष्य की मानसिक ज़रूरत पूरी होती है।

**11. (क)** प्रस्तुत काव्यांश में संध्याकालीन आकाश में पंक्ति में उड़ते हुए बगुलों के सफ़ेद पंखों के सौन्दर्य तथा संध्याकालीन आकाश में प्राकृतिक सौन्दर्य का सुन्दर वर्णन किया गया है। कवि कहता है कि आकाश में बगुले अपने पंख फैलाए हुए एक कतार में उड़ रहे हैं। उनमें इतना आकर्षण है कि वे मेरी आँखों को चुराकर ले जा रहे हैं अर्थात् उन पर से मेरी आँखें हट ही नहीं रही हैं।

**(ख)** पूँजीपति वर्ग श्रमिकों, किसानों और गरीबों पर अत्याचार करके उनकी मेहनत की कमाई से अपने घर-खजाने भरते हैं। पूँजीपति लोग अपने ऊँचे-ऊँचे भवनों में बड़ी शान-शौकत से रहते हैं। वे स्वयं तो सुख भरा जीवन जीते हैं लेकिन अपने क्रूरतापूर्ण व्यवहार से गरीबों पर आतंक की भाँति छाए रहते हैं। सम्पन्नता भरे जीवन को जीते हुए भी वे मन ही मन जन क्रांति से डरते हैं। उन्हें भय रहता है कि जब कभी भी जनक्रांति हुई तो उनकी सम्पत्ति लूट ली जाएगी और उनकी शान-शौकत मिट्टी में मिल जाएगी इसलिए पूँजीपतियों की अट्टालिकाओं को आंतक भवन कहा गया है।

**(ग)** 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास' पंक्ति में कपास से आशय कोमलता से है। जन्म से ही बच्चे कपास जैसी भावनाएँ और लचीला शरीर लेकर आते हैं अर्थात् बच्चे जब जन्म लेते हैं तब वे बहुत ही सुकोमल होते हैं। उनमें कोमल भावनाएँ होती हैं व लचीला शरीर होता है जैसे कि कपास कोमल, मुलायम व लचीली होती है।

**12. (क)** गाँव में घूम-घूम कर पानी की माँग करने वाली दस-बारह से लेकर सोलह-अट्ठारह वर्ष के बच्चों की बंदर सेना को लेखक मेढ़क-मंडली कहता है। लेखक का सोचना था कि जब चारों ओर पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची है तब लोग घर में इतनी कठिनाई से एकत्रित किए गए पानी को भर-भर कर इन बच्चों पर क्यों फेंकते हैं। लेखक के अनुसार यह पानी की बर्बादी है इसलिए वह बार-बार जीजी के रहने पर भी इन्दरसेना पर पानी डालने को राज़ी नहीं होता है।

**(ख)** 'मैं जिन्दगी में कभी चित नहीं हुआ' में चित का आशय जीवन में हार न मानने से है। लुट्टन की आखिरी इच्छा थी कि उसके मर जाने के बाद उसे चिता पर चित न लिटाकर पेट के बल लिटाया जाए और चिता में आग लगाते समय ढोलक बजाई जाए। लुट्टन ने अपने जीवन में कभी भी हार नहीं मानी थी जब गाँव में अकाल पड़ा और महामारी हैजे का प्रकोप हुआ जो लुट्टन अपना ढोल बजाकर लोगों में संजीवनी रूपी शक्ति का संचार करता था। अपने बेटों की मृत्यु के बाद भी उसने ढ़ोल बजाना नहीं छोड़ा था।

**(ग)** कबीरदास जी को 15-20 दिनों के लिए लहक उठना पसन्द नहीं था, पंक्ति में लहक उठना का अर्थ है—खिल उठना। आरग्वध 15-20 दिन के लिए खिलता है लेकिन शिरीष के फूल बसन्त के आगमन के साथ ही खिल उठते हैं और आषाढ़ तक मस्त बने रहते हैं और मन रम गया तो भरे भादों में भी खिलते रहते हैं। हमें भी शिरीष के फूल की भाँति लहकते रहना चाहिए। चाहे कैसा भी समय आए हमें कभी उदास नहीं होना चाहिए और शिरीष के फूल से प्रेरणा लेनी चाहिए कि कैसे वह उमस और लू में भी कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करता रहता है।

**13. (क)** आधुनिक समाज में कार्यकुशलता के लिए आवश्यक है कि लोग अपने निर्धारित कार्य को रुचि और लगन के साथ करें। आधुनिक सभ्य समाज कार्यकुशलता के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है लेकिन जाति प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुरी बात नहीं है। इस तर्क के सम्बन्ध में यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का भी रूप लिए हुए है, अत: सभी को यह अधिकार होने चाहिए कि हर व्यक्ति को उसकी कार्य कुशलता के आधार पर पेशे चुनने का अधिकार हो न कि जाति-प्रथा के आधार पर किसी मनुष्य का पेशा निर्धारित किया जाए।

**(ख)** आम्बेडकर की कल्पना का आदर्श समाज स्वतन्तत्रता, समता और भ्रातृता अर्थात् भाई चारे पर आधारित है। उनके अनुसार ऐसे समाज में सभी के लिए एक जैसा मापदंड तथा उसकी रुचि के अनुसार कार्यों की उपलब्धता होनी चाहिए। सभी व्यक्तियों को समान अवसर व समान व्यवहार उपलब्ध होना चाहिए। उनके आदर्श समाज में जातीय भेदभाव का तो नामोनिशान ही नही हैं इसलिए जातीय भेदभाव नहीं करना चाहिए। इस समाज में करनी पर बल दिया गया है कथनी पर नहीं।

**(ग)** बाज़ार जाते समय हमें निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. बाज़ार एक जादू के रूप में कार्य करता है और हमें अपनी ओर आकर्षित करता है। अत: बाज़ार के आकर्षण में न फँसकर सिर्फ जरूरत भर का सामान ही लेना चाहिए।
2. बाज़ार में अनेक लुभावनी वस्तुएँ होती हैं और मनुष्य उनकी तरफ़ खिंचता चला जाता है। वह मन के रीतेपन को भरने के लिए उनके पास जो भी धन होता है उससे फालतू की चीज़ें खरीदता चला जाता है। ऐसा व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।
3. बाज़ार जाते समय व्यक्ति को लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए कि उसे क्या खरीदना है।
4. मन खाली होने पर व्यक्ति को बाज़ार नहीं जाना चाहिए।
5. व्यक्ति को अपनी ज़रूरत के विषय में स्पष्ट पता होना चाहिए।
6. व्यक्ति को अपनी आवश्यकता के अनुसार ही सामान खरीदना चाहिए।

**14. (क)** 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के प्रमुख पात्र यशोधर बाबू किशन दा को बार-बार याद करते हैं। इसका कारण है कि यशोधर बाबू का पूरा व्यक्तित्व ही किशन दा के प्रभाव में विकसित हुआ है। यशोधर बाबू किशन दा के व्यक्तित्व की प्रतिच्छाया हैं। हमारे अनुसार यह उनका सामर्थ्य नहीं बल्कि उनकी कमज़ोरी को दर्शाता है क्योंकि वे जीवन भर अपना कोई महत्त्व स्थापित नहीं कर पाए और उन्होंने किशन दा के जीवन के रूप में जीकर ही अपनी कमज़ोरी को उजागर किया।

**(ख)** दत्ताजी राव की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. दत्ता जी राव देसाई गाँव के एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे सभी की बात बहुत ध्यानपूर्वक सुनकर उसका समाधान निकालते हैं।
2. दत्ता जी राव एक समझदार व्यक्ति हैं। वे लेखक का मंतव्य थोड़ी ही देर में समझ जाते हैं।
3. दत्ता जी राव मददगार व्यक्ति हैं। वे लेखक की पढ़ाई का खर्च स्वयं ही उठाने को तैयार हो जाते हैं।
4. आधुनिक युग के अनुसार दत्ताजी राव का व्यवहार बहुत उत्तम श्रेणी का है।

**(ग)** मुअनजो-दड़ो में लेखक ने वहाँ पर बने घरों का निरीक्षण किया तो उसे पता चला कि सामने की दीवार में केवल प्रवेश द्वार है। इसमें कोई खिड़की नहीं है। लेखक को ऐसा लगता है। कि खिड़कियाँ शायद ऊपरी दीवारों में बनाई जाती होंगी। बड़े घरों के अन्दर के आँगन के चारों तरफ़ बने कमरों में बहुत खिड़कियाँ हैं। जिन घरों में बड़े आँगन होते थे वहाँ कुछ काम किए जाते होंगे।



## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

**7. (क)** 'बात सीधी थी' कविता में चूड़ी का प्रयोग भाषा में कसाव के लिए किया गया है। भाषा को अनावश्यक तोड़ने-मरोड़ने और ज़बरदस्ती करने से भाषा प्रभावहीन हो जाती है। कवि जिस भाव को सीधे और सरल शब्दों को व्यक्त करना चाहते हैं, वह नहीं हो पाता है। भाषा की व्यंजना और अभिव्यक्ति खत्म हो जाती है। अच्छी भली कविता प्रभावहीन होकर रह जाती है।

**(ख)** इस कविता में दूरदर्शन के कार्यक्रम-संचालकों के काम करने की शैली पर व्यंग्य किया गया है। अपने कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने के लिए एक अपाहिज और लाचार की भावनाओं से खिलवाड़ किया जाता है। उससे बेतुके सवाल पूछे जाते हैं। दूरदर्शन के संचालक हर प्रकार से समर्थ होते हुए, एक विवश और लाचार की पीड़ा को आम जनता के समक्ष रखते हैं। उसके पीछे उनका असली मकसद कार्यक्रम को रोचक बनाकर पैसे कमाना होता है।

**(ग)** कवि और कृषक दोनों ही सृजन करते हैं। कवि का कर्मक्षेत्र कागज का पन्ना होता है, वहीं कृषक का कर्मक्षेत्र भूमि। एक फसल तैयार करते हैं, तो दूसरा अपनी रचना। जिस प्रकार खेत में बीज बोया जाता है, उसी प्रकार कवि द्वारा भावन रूपी बीज बोया जाता है। जिस प्रकार फसल उगाने के लिए रसायन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार रचना को पोषित करने के लिए भाव और कल्पना की आवश्यकता होती है।

8. **(क)** आकाश में काले बादलों की छाया देखकर ऐसा लगता है मानो संध्या की श्वेत और मनोरम काया विहार कर रही है। प्रकृति का यह अद्‌भुत सौंदर्य जादू के समान अपनी माया में बाँध रही है। कवि को भय है कि यह अद्वितीय सौंदर्य कहीं ओझल न हो जाए।

**(ख)** बादल को जीवनदायी कहा गया है। बादल जल के सागर हैं। उनमें तेज गर्जन, वर्षन और प्लावन की क्षमता है। अत: उनसे कृपा करने की प्रार्थना की गई है।

**(ग)** 'पतंग' शीर्षक पाठ में बच्चों की तुलना लचीले डाल से की गई है। बच्चों का शरीर लचीला होता है। वे जब चलते हैं तो झूला झूलते हुए झोकों के समान चलते हैं। उनकी गतिविधियाँ ऐसी होती हैं मानों पेड़ की डाल से लटककर लचकती गति से झूल रहे हों।

9. **(क)** भारत में बैल कृषि का मूल है। वही खेत जोत कर अन्न उगाते हैं। बैलों के प्यासे रह जाने से सारी खेती नष्ट हो जाने का खतरा रहता है। वर्षा के अभाव में खेत सूख रहे हैं। खेती का आधार बैल भी मरणासन्न स्थिति में पहुँच गया है।

**(ख)** इस पाठ में 'दुमदारों से लँडूरे भले' का प्रसंग एक ऐसे पक्षी के लिए किया गया है, जिनकी पूँछ सुंदर होती है, किंतु वे अल्पायु होते हैं। उनसे अच्छा तो वैसे पक्षी जो पूँछ विहीन होकर भी कठोर परिस्थितियों में लंबे समय तक जीने की क्षमता रखते हैं।

**(ग)** 'पहलवान की ढोलक' पाठ में हैजा, कोलेरा और मलेरिया जैसी बीमारियों का उल्लेख किया गया है। उस समय की परिस्थितियाँ भिन्न थीं। न तो टीकाकरण की व्यवस्था थी और न जगह-जगह अस्पताल। आज बहुत बीमारियों का उन्मूलन हो चुका है। जगह-जगह डॉक्टर और अस्पताल उपलब्ध हैं। लोगों में जागरूकता बढ़ी है। सरकार सदैव महामारी के प्रति सतर्क रहती है। महामारी फैलने से पूर्व नियंत्रण कर लिया जाता है। अत: आज की परिस्थिति उस समय की परिथिति से भिन्न है।

10. **(क)** बाज़ार में एक जादू होता है, जो आँख से प्रभावित होता है। लेखक कहना चाहते हैं कि बाजार में एक मायाबी आकर्षण होता है, जो इस आकर्षण जाल में फँस जाता है, वह बाजार की व्यर्थ चीजें खरीदने के लिए लालायित होता रहता है। इस जादू के प्रभाव से अनावश्यक चीजें उठा लाता है।

**(ख)** हमारे समाज में अलग-अलग पेशे से जुड़े लोग हैं। कुछ काफी फायदेमंद हैं तो कुछ शारीरिक श्रम पर आधारित। यदि मनुष्य को पेशा बदलने की अनुमति न हो और उसके पेशे की माँग में कमी आ जाए तो उन्हें भूखों मरने की नौबत आ सकती है इसलिए लोग कम फायदे वाले पेशे को छोड़कर अधिक फायदे वाले पेशे में जाना चाहते हैं।

**(ग)** शारीरिक गठन और वंश परंपरा के अनुसार असमान व्यवहार सर्वथा अनुचित है। इसमें उस संतान का कोई दोष नहीं। केवल किसी निश्चित परिवार में जन्म ले लेने से भेद-भाव करना उचित नहीं माना जा सकता है। केवल किसी खास परिवार में जन्म ले लेने से पेशा निर्धारित कर देना और किसी खास पेशे में बाँधकर रखना अनुचित है। बेहतर जीवन यापन के लिए सभी को समान अवसर अवश्य मिलना चाहिए।

11. **(क)** यशोधर पंत सामाजिक जीवन मूल्य को मानते हैं। वे अपनी रिस्तेदारी निभाना चाहते हैं। परिवार के सुख-दु:ख में सम्मिलित होना चाहते हैं। अपने कुटंब से बनाकर रखना चाहते हैं, परंतु उनकी पत्नी और बच्चे केवल अपने परिवार तक सीमित रहना चाहते हैं। वे रिश्तेदारी को बोझ मानते हैं और निजी सुख को अधिक महत्व देते हैं।

**(ख)** 'जूझ' कहानी एक ऐसे संघर्ष करने बाले बालक पर आधारित है, जिन्हें पढ़ने की बेहद लालसा है। पढ़ने के लिए अपने दादा की हर शर्त को स्वीकार करते हैं। उसने अपनी कक्षा में उपेक्षित और तिरस्कृत होते हुए भी अपने अंदर लगन और जुनून बनाए रखा। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह पाठ काफी प्रेरणादायी हो सकता है जो पढ़ाई करने से हतोत्साहित हो रहे हैं। यह पाठ युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणाश्रोत है।

**(ग)** मुअनजो-दड़ो की सभ्यता पाँच हजार वर्ष पूर्व की है। उनकी सीढ़ियों के खंडहर पर चढ़कर हम कहीं नहीं जा सकते, किंतु इन पायदान पर पैर रखते ही हमें अनुभव होता है कि जब शेष संसार में सभ्यता का उदय नहीं हुआ था उस समय हमारे पास सिंधु घाटी की उन्नत सभ्यता थी, जिसमें मुअनजो-दड़ो से विशाल एवं सुनियोजित महानगर थे। हम संसार की सभ्यता के शिरोमणि हैं।



## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **(क)** कवि के अनुसार 'बात सीधी थी' पर भाषा के चक्कर में फँस गई क्योंकि भाषा के उचित प्रयोग के बिना साधारण-सी बात भी जटिल हो जाती है, प्रभावी नहीं रह पाती। तात्पर्य यह है कि कवि अपने मन की बात पाठकों तक पहुँचाने के लिए सरल एवं संयम भाषा के प्रयोग का बार-बार प्रयास करता है, इसी के द्वारा वह अपनी बात को प्रभावी बनाकर पाठकों तक पहुँचाता है। कवि को अपनी बात प्रभावी बनाने के लिए सरल भाषा का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि बात सीधी तो थी पर उस बात को और अधिक परिष्कृत रूप में उस पर भाषायी प्रभाव दिखाने के लिए वह भाषा के चक्कर में फँस गयी।

**(ख)** 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता में सामाजिक लोगों की मानसिकता है कि वे किसी की पीड़ा के चरम रूप का आनन्द लेते हैं। वे भी संवेदनशील हो गए है, क्योंकि उन्हें भी अपंग व्यक्ति के रोने का इंतज़ार है। कविता शारीरिक चुनौतियों को झेलने वाले लोगों के प्रति संवेदनशील होने को प्रेरित करती है। हमारे दृष्टिकोण से समाज में व्यवसायिकता की प्रवृत्ति उभर रही है। मीडियाकर्मियों में विकलांग के प्रति सहानुभूति व संवेदना का भाव लेशमात्र भी नहीं है। मीडिया के लोग किसी-न-किसी तरह से दूसरे के दु:ख को भी व्यापार का माध्यम बना लेते हैं।

**(ग)** कविता में कवि ने कर्म और कृषि में समानता बताते हुए कहा है कि मेरा कागज का पन्ना चौकोर खेत की तरह है। भावों की आँधी से बीज को बोने से इसमें शब्द रूपी अकुंर फूटते हैं और उससे कविता की फसल तैयार होती है। यह कभी न समाप्त होने वाली फसल है अर्थात् सहृदय लोग सदैव इसका आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ कवि ने अपनी तुलना किसान से की है कवि की रचना भी फसल उगाने के समान श्रमसाध्य कार्य है। उसकी दृष्टि में खेत में बीज बोकर अन्न जिस प्रकार उपजाया जाता है, उसी प्रकार हृदय में उमड़ी भावनाओं को कागज पर लिखकर कविता का रूप दिया गया है। कवि का उद्देश्य कवि-कर्म को महत्त्व देना है उसे कृषक के कार्य के समान बताया गया है।

**8. (क)** यहाँ कवि ने प्राकृतिक सुन्दरता का सौन्दर्यपूर्ण चित्रण किया है। प्रस्तुत पंक्ति में कवि का मानना है कि संध्याकालीन आकाश में पंक्तिबद्ध बगुले अपने पंख फैलाए आकाश में उड़ रहे हैं। उनमें इतना आकर्षण है कि वे मेरी आँखों को चुराकर ले जा रहे हैं। यह साँझ धीरे-धीरे आकाश में विहार कर रही है। यह तो मुझे अपने जादू में बाँध रही है। अपने पंख फैलाए हुए बगुलों का यह अत्यन्त रमणीय दृश्य कवि को आकर्षित कर रहा है। कवि को डर है कि ये रमणीय दृश्य कहीं ओझल न हो जाए। इसलिए वह गुहार लगाकर कहता है कि कोई तो उन्हें रोक कर रखो। में इस दृश्य को और देर तक देखते रहना चाहता हूँ।

**(ख)** 'बादल राग' कविता में बादल को क्रान्ति का प्रतीक माना गया है, क्योंकि बादल के भीतर सृजन और ध्वंस की ताकत होती है। एक तरफ तो बादल किसान के लिए खुशी व निर्माण के दूत बनकर आते हैं तो दूसरी तरफ मज़दूर के सन्दर्भ में क्रान्ति और बदलाव का रूप ले लेते हैं। इस क्रान्ति के प्रतीक से पूँजीपति वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होता है। पूँजीपति लोग गरीब, लाचार या दलित पर क्रूर अत्याचार करते हैं, लेकिन आखिरकार जब दु:खी हृदयों से क्रान्ति के स्वर निकलते हैं तो इससे पूँजीपति वर्ग को क्रान्ति का प्लावन वहाँ ले जाता है और उनका वैभव नष्ट हो जाता है और दलित वर्ग व शोषित वर्ग इससे लाभान्वित होता है। इसे जीने का संबध मिल जाता है।

**(ग)** 'पतंग' कविता के आधार पर प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि मौसम के साथ प्रकृति में आने वाले परिवर्तन से बच्चे पतंग उड़ाने के लिए प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं। वर्षा ऋतु के बाद शरदऋतु के आगमन से आकाश स्वच्छ, निर्मल और कोमल हो जाता है। अब चमकीली तेज धूप निकल रही है, अत: बच्चे दोपहर में सूरज के सामने घर से बाहर निकलकर आकाश में पतंग उड़ाने के लिए लालायित हैं। शरदऋतु के आगमन से प्राकृतिक वातावरण अत्यन्त ही सुन्दर प्रतीत हो रहा है। यहाँ कवि ने बालमन की सुलभ चेष्टाओं का सजीव चित्रण किया है।

**9. (क)** पाठ में यह वाक्य जीजी ने उस संदर्भ में कहा जब इंदर-सेना के ऊपर जीजी ने बाल्टी भरकर फैंक दी तब लेखक को बहुत बुरा लगा। वह इसे अंधविश्वास मानता था। तब जीजी ने उसे समझाते हुए कहा कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंकता है। उसे बुवाई कहते हैं। जीजी का मानना था कि घर का पानी जब इन सूखों पर डालते हैं तो यह ही पानी बुवाई का काम करता है जिससे शहर, कस्बा, गाँव आदि में पानीवाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम इन विचारों से सहमत नहीं हैं। विज्ञान की तरक्की ने यह समझा दिया है कि हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए। जिससे बरसात समय पर हो सकेगी।

**(ख)** यह पंक्ति लेखक ने इस उद्देश्य से लिखी है कि शिरीष जैसे फल जेठ की तपती धूप में भी खिले रहने का साहस रखते हैं। अमलतास भी पंद्रह-बीस दिन के लिए खिलते हैं, वसंत ऋतु के पलाश की तरह। कबीरदास को इस तरह के फूलों का खिलना पसंद नहीं था। इसलिए लेखक शिरीष के फूलों की प्रशंसा करते हुए कहता है कि शिरीष वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है और आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। जबकि पलाश जैसे फूल दस-पंद्रह दिन में सूख जाते हैं।

**(ग)** अँधेरी रात को आँसू बहाते इसलिए दिखाया है कि मलेरिया और हैजे से पूरा गाँव पीड़ित था। घर-घर में मातम छाया हुआ था। चारों ओर कराहने की आवाज़ों से गाँव अटा पड़ा था। इसलिए रात को रोते हुए दिखाया गया है जिससे कहानी की संवेदनशीलता को दिखाया जा सके।

**10. (क)** बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है। लेखक कहता है कि बाज़ार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप तुम्हारे लिए है। बाज़ार व्यक्ति के मन में सामान खरीदने की चाह जगा देता है। व्यक्ति बाज़ार के चौक में पहुँचने पर सोचने लगता है कि उसके पास वस्तुओं का अभाव है। इसलिए बाज़ार व्यक्ति को मूक आमंत्रण देता है।

**(ख)** श्रम-विभाजन जाति प्रथा पर आधरित होने पर वह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं होता। हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित हो कि जिससे कार्य का चुनाव वे स्वयं कर सकें। रुचि पर आधारित कार्य न मिलने से देश के विकास में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जाति-प्रथा व्यक्ति को जीवन-भर के लिए एक पेशे से बाँध देती है। आधुनिक युग में उद्योग-धंधें की प्रक्रिया और तकनीकी विकास से परिवर्तन होते रहते हैं। जिस कारण व्यक्ति को पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ती रहती है। वरना वह भूखों मरने के चक्रव्यूह में फँसा रह जाता है। आज जाति-प्रथा भारत में बेरोज़गारी का प्रमुख कारण बन गई है।

**(ग)** जब व्यक्ति को अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता नहीं मिलती तब वह दासता में जकड़कर रह जाता है। क्योंकि दासता केवल कानूनी पराधीनता नहीं है बल्कि दासता में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है।

**11. (क)** यशोधर बाबू के बच्चों में पढ़ाई करने की ललक दिखाई देती है। वे अपने उज्ज्वल भविष्य को लेकर ज़्यादा सतर्क रहते हैं। जबकि माता-पिता की परंपरावादी दृष्टिकोण के वे विरुद्ध दिखाई देते हैं। यद्यपि यशोधर बाबू की पत्नी अपने मूल संस्कारों से किसी भी तरह आधुनिक नहीं है तथापि बच्चों की तरफदारी ने उन्हें भी आधुनिक बना दिया था। बड़ा बेटा अपने माता-पिता की 25 वीं सालगिरह को मनाता है और गिफ़्ट में उन्हें ऊन से बना गाउन देता है। यशोधर बाबू के बच्चे आधुनिक जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

**(ख)** अनेक गरीब घरों में रोज़ी-रोटी का अभाव होने से परिवार में लोग बच्चों को पाठशाला में पढ़ने नहीं भेज पाते। उन्हें लगता है कि खेती-बाड़ी के काम, उपले बनाने जैसे कामों में बाधा आ जाएगी। बच्चे पाठशाला में जाकर घर के कामों से बच जाएँगे। इसीलिए आनंदा की पिता की तरह लोग बच्चों को स्कूल पढ़ने नहीं भेजते।

**(ग)** अजायबघर में प्रदर्शित चीज़ों में औज़ार तो हैं, पर हथियार कोई नहीं है। मुअनजो-दड़ो क्या, हड़प्पा से लेकर हरियाणा तक समूची सिंधु सभ्यता में हथियार उस तरह कहीं नहीं मिले हैं जैसे किसी राजतंत्र में होते हैं। विद्वानों का मानना है कि सभ्यता में शासन या सामाजिक प्रबंध के तौर-तरीके को समझने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ अनुशासन ज़रूर था, पर ताकत के बल पर नहीं। मगर कोई अनुशासन ज़रूर था, जो नगर योजना, वास्तुशिल्प, मुहर ठप्पों आदि में एकरूपता को कायम रखे हुए था।

**Outside Delhi Set-1** **2/4/1**

## खण्ड-'अ'

### (बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

**1. (i) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या—**गद्यांश के आधार पर पुस्तकों का जीवन में अत्यधिक महत्त्व है क्योंकि इनसे दिल और दिमाग दोनों को खुराक मिलती है।

**(ii) विकल्प (घ) सही है।**

**(iii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या—**सूचना और प्रौद्योगिकी के आ जाने से मुद्रण से जुड़े हुए लोग इस भय में आ गए थे कि कहीं सूचना और प्रौद्योगिकी मुद्रित पुस्तकों का महत्त्व समाप्त न कर दे।

**(iv) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या—**सैकड़ों पुस्तकों का लोकार्पण और लेखकों से बातचीत करने के साथ-साथ हम अलग-अलग मत वाले लोग एक छत के नीचे खड़े होकर विचार विमर्श भी करते हैं।

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या—**हाथ से लिखित (हस्तलिखित) प्रति को पाण्डुलिपि कहते हैं।

**(vi) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या—**पुस्तक मेले में कविता पाठ,कहानी वाचन तथा नयी पुस्तक का प्रचार होता है किन्तु वहाँ पार्टी का प्रचार नहीं होता है।

**(vii) विकल्प (ग) सही है।**

**(viii) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या—**मुद्रण तकनीक का सम्बन्ध प्रकाशक से है।

**(ix) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या—**प्रगति मैदान में लगने वाला विश्व पुस्तक मेला केवल किताबों को खरीदने-बेचने के लिए ही नहीं लगता है बल्कि वहाँ जाने वाले को एक तरह के उत्सव का अनुभव होता है। किताब खरीदने के लिए तो कई वेबसाइट उपलब्ध हैं।

**(x) विकल्प (ग) सही है।**

**2. (i) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या—**वृत्तियाँ ही मनुष्य का स्वभाव होती हैं।

**(ii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या—**जैसे जड़ से अलग हो जाने पर पेड़-पौधे सूख जाते हैं, वैसे ही मूल से अलग होने पर नदियों में प्रवाह नहीं रहता है।

**(iii) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या—**भीड़ हमेशा दु:खी व्यक्ति को और दु:खी करने का कार्य करती है।

**(iv) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—बाहरी तरंग से कवि का आशय सांसारिक माया से है।

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—यदि हम अपने आपको पहचानना चाहते हैं तो हमें एकांत में जाकर अपनी जड़ जमानी होगी।

3. **(i) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—यदि हमें भाषा समझने में कठिनाई होती हो तो हम दृश्य-माध्यम के जरिए उसे देखकर समझ सकते हैं।

**(ii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—रिपोर्टर के हवाले से एंकर द्वारा दी जाने वाली सूचना ड्राई एंकर कहलाती है।

**(iii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार और अनियमितता को समाज को बताने के लिए तैयार की गयी रिपोर्ट खोजी रिपोर्ट कहलाती है।

**(iv) विकल्प (ग) सही है।**

**(v) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—जब हम टेलीविज़न के लिए कोई खबर लिखते हैं तो हमें यह ध्यान रखना पड़ता है कि उसमें दृश्यों के साथ खबर हो।

4. **(i) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—यहाँ राम को साधारण मनुष्य की भांति व्यवहार करते हुए दिखाया गया है और यह बताने का प्रयास किया गया है कि दु:ख के समय में मनुष्य अपने आपे में नहीं रहता है।

**(ii) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—लक्ष्मण स्नेही, मृदुल, भ्रातृ-प्रेमी स्वभाव के हैं।

**(iii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—लक्ष्मण के हृदय में बड़े भाई राम के लिए त्याग युक्त प्रेम का भाव था।

**(iv) विकल्प (ग) सही है।**

**व्याख्या**—मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन..... पंक्ति लक्ष्मण के हृदय में राम के प्रति अगाध प्रेम को प्रकट कर रही है।

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**व्याख्या**—पूरे पद्यांश में लक्ष्मण के शोक में डूबे राम के विलाप का वर्णन किया गया है।

5. **(i) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—भक्तिन पाठ के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि जेल यात्रा के दौरान हम अपने किसी भी परिजन को साथ नहीं ले जा सकते हैं।

**(ii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—भक्तिन को उस समय बहुत ही बुरा लगता था जब कठिन परिस्थिति में कोई यह कहता कि महादेवी को अकेला छोड़ दो उनके हाल पर।

**(iii) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—देर हो पर अंधेर न हो का आशय ही होता है कि देर हो किन्तु अन्याय न हो।

**(iv) विकल्प (क) सही है।**

**(v) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—भक्तिन किसी से भी लड़ने के लिए तैयार हो जाती थी; जब कोई उससे कहता कि महादेवी को जेल में डाल दो और उसे छोड़ दो क्योंकि वह महादेवी जी को बहुत प्रेम करती थी।

6. **(i) विकल्प (घ) सही है।**

**व्याख्या**—बच्चों की आधुनिक जीवन-शैली हो जाने के कारण यशोधर बाबू को बच्चों की तरक्की समहाउ इम्प्रोपेर लगती थी।

**(ii) विकल्प (क) सही है।**

**(iii) विकल्प (ख) सही है।**

**व्याख्या**—यशोधर बाबू को यह विश्वास था कि उनके लड़कों में से किसी एक लड़के को सरकारी नौकरी मिल ही जाएगी और डी.डी.ए.का फ्लैट वैसे ही मिल जायेगा।

**(iv) विकल्प (क) सही है।**

**(v) विकल्प (क) सही है।**

**(vi) विकल्प (ग) सही है।**

**(vii) विकल्प (क) सही है।**

**(viii) विकल्प (घ) सही है।**

**(ix) विकल्प (ख) सही है।**

**(x) विकल्प (क) सही है।**

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **(क) जीवन में सदाचार का महत्त्व**

मानव जीवन में सद्व्यवहार और सदाचरण का बहुत बड़ा महत्त्व है। व्यवहार की मृदुता और आचरण की शुचिता से न सिर्फ व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास होता है बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है।

सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह सामाजिक नियमों का पालन करे। सामने वाले व्यक्ति से ऐसा व्यवहार करे जिससे अपनत्व की भावना जाग्रत हो। हम जैसा व्यवहार दूसरे के साथ करेंगे, वैसा ही व्यवहार दूसरा भी हमारे साथ करेगा।

दूसरे से अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करने से पहले हमें उसके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। जीवन रूपी गाड़ी को बिना बाधाओं के चलाते रहने में सद्व्यवहार महती भूमिका निभाता है। व्यवहार तथा आचरण एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब तक आचरण शुद्ध नहीं होगा तब तक व्यक्ति में सद्व्यवहार का गुण विकसित नहीं होगा। सच बोलना, चोरी न करना, किसी को दु:ख न

देना, बड़ों का सम्मान करना तथा नैतिक मूल्यों की रक्षा करना जैसी सारी बातें आचरण की शुचिता में आती हैं।

स्वयं के परिश्रम से तथा भगवान की कृपा से धन-दौलत कमाना और जितना मिले उसी में संतोष करना शुद्ध आचरण की पहचान है। यदि आचरण शुद्ध हो तो व्यवहार स्वत: सुधर जाता है। व्यवहार तथा आचरण को हमारे पारिवारिक संस्कार तथा सामाजिक व्यवस्थाएँ प्रभावित करते हैं। हम जैसे समाज में पलते-बढ़ते हैं वैसे ही बन जाते हैं।

आचरण से हमारा व्यवहार प्रभावित होता है तो व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा। अच्छे व्यवहार तथा अच्छे आचरण से अद्‌भुत-असीम सुख प्राप्त होने के साथ-साथ आनंद की अनुभूति भी होती है। सद्‌व्यवहार और सदाचरण से ही मानव जीवन सार्थक होता है। इन्हीं से मानवता जन्म लेती है।

**(ख) सौर ऊर्जा का अक्षय स्रोत**

ऊर्जा के प्राकृतिक स्रोतों में से एक जो हमें सीधे सूर्य से प्राप्त होता है उसे सौर ऊर्जा कहा जाता है। प्राचीन काल से ही लोग खाना पकाने और कपड़े सुखाने के लिए सूर्य पर निर्भर रहे हैं। लेकिन आजकल, सौर ऊर्जा का उपयोग कई उपकरणों में होने लगा है, क्योंकि यह ऊर्जा का सबसे सुविधाजनक और नवीकरणीय स्रोत है जिसमें आपको कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ता है। यह सौर ऊर्जा निबंध आपके बच्चों के लिए इसके लाभों और उपयोगों के बारे में जानने के लिए बिल्कुल उपयुक्त होगा।

चूंकि छात्रों के लिए सौर ऊर्जा पर निबंध सरल शब्दों में लिखा गया है, इसलिए वे विषय को आसानी से समझ पाएँगे। इस निबंध के माध्यम से जहाँ सौर ऊर्जा के संबंध में उनकी सभी शंकाएँ दूर हो जाएँगी, वहीं बड़े होने पर वे सौर ऊर्जा का बेहतर तरीके से उपयोग करना भी सीख जाएँगे।

मैंने सीखा है कि सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसके बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है। लेकिन मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि सूर्य से सौर ऊर्जा कैसे प्राप्त की जाती है या बिजली पैदा करने के लिए इसका उपयोग कैसे किया जाता है। जब मेरे पिता ने हमारे घर में सोलर हीटर लगाया, तो मुझे उत्सुकता हुई कि एक पैनल बिजली की मदद के बिना पानी कैसे गर्म कर सकता है। मुझे यह समझने में कुछ समय लगा कि पानी को गर्म करने के लिए प्राकृतिक सूर्य के प्रकाश का उपयोग कैसे किया जाता है। मैं समझता हूँ कि सौर ऊर्जा के उपयोग के कई फायदे हैं। तथ्य यह है कि सौर ऊर्जा अक्षय है और इससे प्रदूषण नहीं होता है, जो इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। चूँकि ऊर्जा का मुख्य स्रोत सूर्य से है, इसलिए किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है कि सौर ऊर्जा आसानी से और जल्दी खर्च हो जाएगी। जब तक सूर्य हम पर चमक रहा है, हम अपनी आवश्यकताओं के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा, बिजली का बिल काफी हद तक कम हो जाएगा, और आप उस पैसे को कुछ अन्य उद्देश्यों के लिए बचा सकते हैं।

सौर ऊर्जा का उपयोग कैलकुलेटर और टॉर्च से लेकर बिजली संयंत्रों तक में व्यापक रूप से देखा जा सकता है। पारंपरिक बैटरियों, कैलकुलेटरों और टॉर्चों की जगह अब सौर सेल लगाए गए हैं जो उन्हें चालू रखते हैं। इसके अलावा, सोलर कुकर नवीनतम चलन है और इसे लोगों ने स्वीकार कर लिया है, क्योंकि इनमें गैस या लकड़ी जैसे ईंधन का उपयोग नहीं होता है और न ही ये किसी भी तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। इस प्रकार, हम देख सकते हैं कि सौर ऊर्जा ऊर्जा का सबसे टिकाऊ स्रोत है।

**(ग) रेल की खिड़की से बाहर का दृश्य**

घूमना-फिरना मनुष्य के स्वभाव का अंग है। वर्तमान की भागमभाग वाली ज़िंदगी में उसे कुछ ज्यादा ही घूमने-फिरने का अवसर मिल जाता है। पिछली गर्मियों में मुझे भी अपने मित्र के साथ हरिद्वार जाने का अवसर मिला, जब मैंने रेलवे स्टेशन पर ऐसा दृश्य देखा जो लंबे समय तक याद रहेगा।

रेल यात्रा द्रुतगामी और आरामदायक साधन है, यही सोचकर हम दोनों मित्रों ने रेल से हरिद्वार जाने का निर्णय लिया। जल्दी में वहाँ जाने का कार्यक्रम बनाने के कारण हमारा आरक्षण नहीं हो पाया और हमें अनारक्षित डिब्बे में यात्रा करनी थी। हमें रात दस बजे की ट्रेन पकड़नी थी। अत: हम ऑटो से साढ़े आठ बजे ही पुरानी दिल्ली स्टेशन पर पहुँच गए।

मैं रेलवे स्टेशन के बाहर का दृश्य देखकर चकित रह गया। भव्य एवं विशाल स्टेशन के बाहर सड़क के किनारे स्कूटर, मोटर साइकिल, ऑटोरिक्शा, टैक्सी की भीड़ थी। कुछ सवारियाँ ला रहे थे तो कुछ गंतव्य की ओर जा रहे थे और बाकी सवारियों के इंतजार में खड़े थे। खाली जगहों पर लोग चादर बिछाए लेटे थे। बड़ी मुश्किल से हम अंदर गए।

टिकट काउंटर पर लंबी-लंबी कतारें लगी थीं। कुछ लोग खिड़की के पास बिना कतार के टिकट लेने की अनधिकृत चेष्टा कर रहे थे। हम पसीने में नहा रहे थे। 'जेबकतरों से सावधान' का बोर्ड पढ़कर मैं गर्मी को भूलकर सजग हो उठा। करीब चालीस मिनट बाद हमारा नंबर आया। हम टिकट लेकर प्लेटफार्म की ओर चले।

प्लेटफार्म पर कुछ लोगों के पास इतना सामान था कि दो-दो कुली उन्हें उठा रहे थे। प्लेटफार्म पर सामान और आदमियों के कारण तिल रखने की भी जगह नहीं बची थी। धक्का-मुक्की के कारण बुरा हाल था। चारों ओर शोर-ही-शोर था। कहीं बेंडर्स की आवाज़ें तो किसी अन्य प्लेटफार्म पर आती-जाती ट्रेन की। यात्रियों का शोर इन

सबसे बढ़कर था। अत्यंत कोलाहलपूर्ण वातावरण था।

प्लेटफॉर्म पर अत्यंत छोटे-छोटे स्टॉल थे। इन पर अख़बार विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाएँ, चाय, बिस्कुट, पान, सिगरेट, खाने की वस्तुएँ (खाना), शीतल पेय, पर्स, बेल्ट, रूमाल, सुराहियाँ, गिलास आदि बिक रहे थे। लोग पानी की बोतलें, चाय, खाने-पीने की वस्तुएँ अधिक खरीद रहे थे, पर अधिक दाम लेने के कारण दुकानदारों से लड़-झगड़ रहे थे।

इतने में दूसरी ओर पटरी पर ट्रेन आकर रुकी। ठहरी भीड़ में हलचल मच गई। धक्का-मुक्की मच गई। यात्री चढ़ने-उतरने लगे और कुली डिब्बों की ओर भागने लगे। भगदड़ जैसा दृश्य उत्पन्न हो गया। इसी बीच हरिद्वार जाने वाली ट्रेन आ गई। जनरल डिब्बे की भीड़ देख हमारे पसीने छूट गए। लोग पहले से ही गेट और पायदान पर लटके थे। लाख प्रयास के बाद भी हम डिब्बे में न जा सके। मेरी जेब कट चुकी थी। मित्र के पास बचे पैसों से हम किसी तरह घर लौटकर आ सके।

**8. (i) (क)** मुद्रित माध्यमों में पढ़ी गई कहानी की तुलना में दृश्य माध्यम पर देखी गई कहानी को लोग देर तक इसलिए याद रखते हैं क्योंकि दृश्य माध्यम के द्वारा कहानी प्रस्तुति पात्रों के भाव भंगिमा का सम्पूर्ण अभिनय दृश्यमान होता है यह दृश्यों के माध्यम से दर्शकों के मानसिक पटल पर गहरी छाप छोड़ता है जबकि मुद्रित माध्यम केवल अक्षरों के द्वारा ही पाठक को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं।

**अथवा**

**(ख)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति और दूरदर्शन कर्मी के बीच हुए संवाद-

दूरदर्शनकर्मी - नमस्कार दर्शको आज हम आप लोगों को मिलवाते हैं एक ऐसे शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति से जो अपने दु:खों को आपके समक्ष व्यक्त करेंगे, आइये बात करते हैं। (शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति की ओर मुखातिब होते हुए) क्या आप अपाहिज हैं?

शारीरिक चुनौती झेलने वाला व्यक्ति- (चुप)

दूरदर्शनकर्मी- आप क्यों अपाहिज हैं?

शारीरिक चुनौती झेलने वाला व्यक्ति- (चुप)

दूरदर्शनकर्मी- आपका अपाहिजपन तो आपको दु:ख देता होगा; हमारे दर्शकों को आप बताइए।

शारीरिक चुनौती झेलने वाला व्यक्ति -(चेहरे पर दु:ख साफ झलकता है लेकिन वह कुछ बोल नहीं पाता है।)

दूरदर्शनकर्मी -आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है।

शारीरिक चुनौती झेलने वाला व्यक्ति- (उसकी आँखें दर्द और दुख से फूली हुई नजर आने लगती हैं... ....रोने लगता है।)

**(ii) (क)** रेडियो नाटक की कहानी पूरी तरह एक्शन (क्रिया) प्रधान नहीं होनी चाहिए क्योंकि इसका मंचन अदृश्य होता है या यह भी कहा जा सकता है कि इसे देखा नहीं जा सकता सिर्फ़ सुना ही जा सकता है। भाषा, संवाद, ध्वनि एवं संगीत का रेडियो नाटक में विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

**अथवा**

**(ख)** रटंत को बुरी लत इसलिए कहा जाता है क्योंकि जिस विद्यार्थी अथवा व्यक्ति को यह लत लग जाती है, उसके भावों की मौलिकता खत्म हो जाती है। इसके साथ-साथ उसकी चिंतन शक्ति धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है और वह किसी विषय को अपने तरीके से सोचने की क्षमता खो देता है।

**9. (क)** समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में संपादकीय पृष्ठ पर कुछ लेख छपे होते हैं जो समसामयिक घटनाओं पर आधारित होते हैं। उन्हें ही आलेख कहते हैं।

लेख लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

**(i)** अच्छे आलेख में सूचनाओं का होना अनिवार्य होता है जिसमें नवीनता एवं ताज़गी हो।

**(ii)** विचारों में स्पष्टता तथा भाषा में सरलता, बोधगम्यता तथा रोचकता होनी चाहिए।

**(ख)** पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप समाचार-लेखन है, जिसे हम समाचार पत्रों में पढ़ते हैं।

साहित्यिक लेखन और सृजनात्मक लेखन से इसकी भिन्नता-

पत्रकारीय लेखन वास्तविक घटनाओं तथा मुद्दों से संबंधित होता है; वहीं, सृजनात्मक लेखन में लेखक कल्पना का भी सहारा ले लेता है।

पत्रकारीय लेखन समसामयिक और वास्तविक घटनाओं पर तथ्याधारित लेखन है, वहीं सृजनात्मक लेखन कल्पित घटनाओं पर आधारित होता है।

पत्रकारीय लेखन का मुख्य उद्देश्य सूचना प्रदान करना होता है, वहीं सृजनात्मक लेखन भाव, कल्पना एवं सौंदर्य-प्रधान होता है।

**(ग)** समाचार कई प्रकार के होते हैं; जैसे-राजनीति, अपराध, खेल, आर्थिक, फिल्म तथा कृषि संबंधी समाचार आदि। संवाददाताओं के बीच काम का बँटवारा उनके ज्ञान एवं रुचि के आधार पर किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे ही बीट कहते हैं। बीट रिपोर्टर बनने के लिए उसे अपने बीट (क्षेत्र) की प्रत्येक छोटी-बड़ी जानकारी एकत्र करके कई स्रोतों द्वारा उसकी पुष्टि करके विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। तब उसकी खबर विश्वसनीय मानी जाती है।

**10. (क)** शीतल वाणी में आग कहकर कवि ने विरोधाभास की स्थिति पैदा की है। कवि कहता है कि यद्यपि मेरे द्वारा कही हुई बातें शीतल और सरल हैं। जो कुछ मैं कहता हूँ वह ठंडे दिमाग से कहता हूँ, लेकिन मेरे इस कहने में बहुत गहरे अर्थ छिपे हुए हैं। मेरे द्वारा कहे गए हर शब्द में संघर्ष

है। मैंने जीवन भर जो संघर्ष किए उन्हें जब मैं कविता का रूप देता हूँ तो वह शीतल वाणी बन जाती है। मेरा जीवन मेरे दु:खों के कारण मन ही मन रोता है लेकिन कविता के द्वारा जो कुछ कहता हूँ उसमें सहजता रूपी शीतलता होती है।

**(ख)** कविता और फूल दोनों ही खिलते हैं, लेकिन फूल जहाँ एक बार खिलकर मुरझा जाते हैं, नष्ट हो जाते हैं; वहीं कविता एक बार खिलने अर्थात् शब्दों के रूप में अभिव्यक्ति प्राप्त कर लेने के बाद निरंतर नया अर्थग्रहण करके विकसित होती रहती है। वह कभी नष्ट नहीं होती, अपितु समय बीतने के साथ और भी व्यापक अर्थग्रहण करके अमर एवं अमिट हो जाती है। इसीलिए कवि ने कविता के खिलने को श्रेष्ठ सिद्ध किया है।

**(ग)** कविता 'बात सीधी थी पर' में कथ्य और माध्यम के द्वंद्व को उकेरते हुए भाषा की सहजता की बात की गई है। कवि का ऐसा मानना है कि क्लिष्ट-अलंकृत भाषा के चक्कर में कथ्य की सरलता नष्ट हो जाती है। अत: हमें अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए सरल-सहज भाषा का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से हम अपनी बात दूसरों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं; जिसे सरलता पूर्वक समझा भी जा सकता है।

**11. (क)** बस करो, नहीं हुआ, रहने दो आदि शब्दों का प्रयोग मीडियाकर्मी दर्शकों व अपाहिज दोनों को एक साथ रुलाने के लिए करता है क्योंकि जब दोनों एक साथ रोयेंगे तभी उसका सामाजिक उद्देश्य पूरा होगा और कार्यक्रम भी रोचक-प्रभावी बनेगा।

**(ख)** क्रांति की गर्जना से शोषक वर्ग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शोषक वर्ग जो अनेक वर्षों से सभी सुख-सुविधाओं और संसाधनों पर अपना एकाधिकार जमाये रहता है और जनता का शोषण करता है, वह क्रांति की गर्जना सुनकर भयभीत हो उठता है और उसे अपनी एकाधिकार तथा सत्ता का नाश होता हुआ दिखाई देने लगता है। इसीलिए वे अपनी आँखें बंद किये हुए हैं तथा मुँह को छिपाए हुए हैं।

**(ग)** 'रूबाइयाँ' शीर्षक कविता से ली गयी पंक्ति 'हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी' पंक्ति के संदर्भ में 'गोद-भरी' शब्द का प्रयोग माँ के लिए किया गया है। बच्चा होने के कारण ही उसकी गोद भरी हुई है।

**12. (क)** पर्चेजिंग पावर से अभिप्राय है कि खरीदने की क्षमता। कहने का भाव है कि खरीददारी करने का सामर्थ्य। मॉल की संस्कृति से बाजार की पर्चेजिंग पावर को बढ़ावा मिलता है। यह संस्कृति उच्च तथा उच्च वर्ग से संबंधित है। यहाँ एक ही छत के नीचे विभिन्न तरह के सामान मिलते हैं तथा चकाचौंध व लूट चरम सीमा पर होती है। यहाँ बाजारूपन भी पूरे उफ़ान पर होता है क्योंकि यहाँ अनावश्यक सामान अधिक खरीदे जाते हैं।

**(ख)** यदि हम पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे। यह पानी की बरबादी नहीं है। यह पानी का अर्घ्य है। दान में देने पर ही इच्छित वस्तु मिलती है। ऋषियों ने दान को महान बताया है। बिना त्याग के दान नहीं होता। करोड़पति दो-चार रुपये दान में दे दे तो वह त्याग नहीं होता। त्याग वह है जो अपनी ज़रूरत की चीज को जनकल्याण के लिए दे। ऐसे ही दान का फल मिलता है। इससे हमें भारतीय संस्कृति के त्याग की भावना का पता चलता है।

**(ग)** सांसारिक बंधनों एवं विषय-वासनाओं से ऊपर उठे हुए संन्यासी को अवधूत कहते हैं। लेखक शिरीष को अवधूत मानता है क्योंकि शिरीष भी अवधूत की भाँति सुख हो या दु:ख, हार नहीं मानता। जिस प्रकार एक अवधूत जीवन की कठिन परिस्थितियों का मुस्कुराते हुए सामना करता है, उसी प्रकार शिरीष भी आँधी-तूफान का सहर्ष सामना करके अडिग खड़ा रहता है। दोनों कठिनतम परिस्थितियों में भी फक्कड़पन की मस्ती के साथ जीते हैं। दोनों संघर्षशील हैं। शिरीष तपती लू एवं जलते आसमान से जीवन-रस खींचकर अपना फूल लहकाता है। यहाँ शिरीष के वृक्ष की उस विशेषता का उल्लेख किया गया है, जिसके तहत वह वायुमंडल से आवश्यक रस खींच लेने की विशेषता के कारण तपती लू एवं जलते आसमान के समय भी अपने कोमल तंतुजाल एवं सुकुमार केसर को उगा लेता है, अपना फूल लहकाता रहता है।

**13. (क)** लुट्टन सिंह का गाँव सर्दी में फैले हुए हैजे और मलेरिया की बीमारियों से ग्रस्त होकर शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था। किसी भी गाँववासी की आह और सिसकियों के अतिरिक्त अन्य कोई आवाज़ सुनने में नहीं आ रही थी । पूरे गाँव में मौत का सन्नाटा फैला हुआ था। केवल बच्चे कभी - कभार निर्बल स्वर से माँ-माँ चीखकर रोने लगते थे। लोग अपनी पुरानी और उजड़ी बाँस-फूस की झोंपड़ियों में बलपूर्वक अपनी आहों और सिसकियों को रोके हुए भगवान के नाम का स्मरण कर रहे थे ।

**(ख)** डॉ. आम्बेडकर ने जाति-प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप माना है क्योंकि यह श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन करती है। ऐसा विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं होता। साथ ही यह श्रमिकों के विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी बताता है।

जाति-प्रथा का सिद्धांत इसलिए भी दूषित है क्योंकि इसमें मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता पर विचार किए बिना ही कार्य निर्धारित कर दिया जाता है। दूसरे शब्दों में व्यक्ति की कार्य-दक्षता, योग्यता एवं क्षमता का विचार किए बिना माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार या जन्म से ही उनका पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

**(ग)** वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत

समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकर की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कण्ठी-माला देखकर उसका नया नामकरण किया, तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद् हो उठी।

**14. (क)** पीढ़ी का अंतराल आने से विचार नहीं मिलते। युवा पुराने विचारों को ढ़कोसला, मात्र परंपरा और दकियानूसी मानते हैं। वे तो पुराने विचारों को पूरी तरह त्याग देते हैं। इसीलिए पुराने विचार रखने वाले और कहने वाले उन्हें फालतू आदमी लगते हैं। विचारों के इस मतभेद ने मध्यवर्गीय जीवन को बहुत प्रभावित किया है। मध्यवर्गीय परिवार आज संयुक्त परिवार प्रथा को भुला चुके हैं क्योंकि विचारों का मतभेद वहाँ भी है। यशोधर पंत का जीवन इसी पीढ़ी अंतराल ने प्रभावित किया है। अपने बच्चों के विचारों को वे अपना नहीं सकते और अपने विचारों को वे छोड़ नहीं सकते। अपनाने और छोड़ने की इस दुविधा भरी स्थिति में यशोधर बाबू सपरिवार, होते हुए भी स्वयं को अकेला पाते हैं।

**(ख)** सौंदलगेकर जी मराठी के अध्यापक थे तथा लेखक के आनंदा से आनंद बनने में उन्होंने बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेखक बताता है कि पढ़ाते समय वे स्वयं में रम जाते थे। उनका कविता पढ़ाने का अंदाज बहुत अच्छा था। सुरीला गला, छंद की बढ़िया लय-ताल और उसके साथ ही रसिकता थी उनके पास। पुरानी-नयी मराठी कविताओं के साथ-साथ उन्हें अनेक अंग्रेजी कविताएँ भी कंठस्थ थीं। इससे प्रभावित होकर लेखक के मन में भी कविताओं के प्रति रुचि जागी और वह तुकबंदी करके कविताएँ लिखने लगा।

**(ग)** सिंधु घाटी में जल की व्यवस्था अति उत्तम थी। यहाँ पर कुएँ पकी हुई एक ही आकार की ईंटों से बने हैं। इतिहासकारों का मानना है कि यह सभ्यता संसार में पहली ज्ञात संस्कृति है जो कुएँ खोदकर भूजल तक पहुँची। यहाँ लगभग सात सौ कुएँ थे। इसके अतिरिक्त स्नानागार की व्यवस्था हर घर में है। पानी के रिसाव को रोकने का उत्तम प्रबंध था। जल निकासी के लिए नालियाँ व नाले बने हुए थे जो ढ़के हुए थे। इस तरह सिंधु सभ्यता में जल संरक्षण पर उचित ध्यान दिया गया था। वर्तमान समय में पूरी दुनिया में जल संकट का हाहाकार मचा हुआ है। ऐसी परिस्थिति में हम मुअनजो-दड़ो से जल-व्यवस्था की प्रेरणा अवश्य ले सकते हैं।

**Outside Delhi Set-2** **2/4/2**

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

**7. (क)** कवि हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित कविता 'आत्मपरिचय' में कवि अपने मन के उद्‌गारों को वर्णित करते हुए कहता है कि वह अपनी वेदना को शब्दों के माध्यम से व्यक्त करता है जिसे संसार गीत समझता है। इस पंक्ति में कवि कहता है कि वह अपने हृदय के भावों को लेकर फूट पड़ा अर्थात् जैसा उसके दिल में आया उसे व्यक्त कर दिया और यह संसार उसे समझता है कि वह छंद बना रहा है। जबकि कवि तो केवल अपने मन के भावों को ही व्यक्त कर रहा होता है।

**(ख)** कवि कुँवर नारायण की कविता 'कविता के बहाने' में दी गई इस पंक्ति का आशय है कि बच्चों में सपने संजोने की विशेष कला होती है। उनके लिए खेल में सब कुछ एक जैसा होता है। उन्हें अपने या पराए का ज्ञान नहीं होता। वह एक-साथ मिलजुलकर खेलते हैं। एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ते रहते हैं। इसी तरह कविता भी एक खेल ही है जो अंदर-बाहर सबके बंधन को तोड़ देती है।

**(ग)** कवि कुँवर नारायण कहते हैं कि कविता लिखते समय जब वे कभी कोई भाव व्यक्त करते हैं तब उन्हें कई बार भाषा संबंधी दिक्कतें आती हैं। ऐसे में वे कठिन शब्दों का प्रयोग कर उस भाव को व्यक्त करते हैं। लेकिन उनकी मुश्किल आसान न होकर और कठिन हो जाती है। तब वे उस शब्द को कील की भाँति ठोक देते हैं। जिसमें न तो कोई पकड़ होती है न कोई कसावट होती है। क्योंकि उस कील में चूड़ी शेष नहीं रहती। जो दीवार को पकड़ सके उसी तरह कवि की भाषा के शब्द की पकड़ भी ढीली रह जाती है जो भाव को आसानी से व्यक्त कर सके।

**8. (क)** टेलीविज़न मीडियाकर्मी अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा को दर्शकों तक लाने के लिए उससे ऐसे-ऐसे सवाल करता है कि हर किसी की आँखें भीग जाती हैं। करुणा जगाने के लिए शुरू किया गया कार्यक्रम क्रूरता की हदें पार कर देता है। इस तरह मीडियाकर्मी एक संवेदनहीन व्यक्ति के रूप में अपना स्वरूप दिखा देता है। इससे किसी का भी उज्जवल पक्ष दिखाई नहीं देता। शारीरिक चुनौती को झेलते व्यक्ति के साथ मीडियाकर्मी अपने कारोबारी दबाव को ही जैसे व्यक्त करता नज़र आता है। हम आजकल ऐसे संवेदनहीन किस्सों को अपने आसपास घटित होते देखते ही हैं। टी.वी. पर अक्सर संवाददाता असहाय व्यक्तियों से प्रश्नों की बौछार लगाकर हकीकत का पता कर लेना चाहते हैं। उन्हें व्यक्ति के दर्द का या उसकी मानसिकता का कोई ज्ञान नहीं होता।

**(ख)** 'बादल राग' कवि निराला की अनुपम कृति है। इसमें कवि ने बादलों का आह्वान क्रांति के रूप में किया है। कवि मज़दूर,किसान जैसे छोटे व्यक्तियों के दु:ख से पीड़ित होकर उनके बारे में सोचता है। कवि बादलों को समुद्र में तैरने वाली युद्ध की नौका के समान देखता है जिसमें आम आदमी की इच्छाएँ भरी हुईं हैं। जिस प्रकार युद्ध की नौका में अस्त्र-शस्त्र भरे होते हैं उसी तरह इन बादलों में गरीब व्यक्ति की आकांक्षाएँ भरी हुई हैं। यह क्रांतिकारी बादल हैं जिनके आने से निम्न वर्ग के लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग हो जाएँगे। यह क्रांति हरियाली लाएगी और मज़दूर, किसान के जीवन में खुशहाली भर देगी। बादलों के गर्जन से धरती में सोए अंकुर भी बाहर निकल आएँगे।

**(ग)** कविता में बालक और माँ के बीच का अटूट प्रेम दिखाया गया है। माँ अपने बच्चे का पालन-पोषण बड़े लाड़-प्यार से करती है। वह उसके कपड़ों को पहनाते समय ध्यान रखती है कि कहीं उसे कोई चोट न लग जाए। वह उसे बड़े प्रेम से दोनों घुटनों के बीच पकड़कर कपड़े पहनाती है। बच्चा भी माँ के प्यार भरे रूप को निहारता रहता है। माँ ही बच्चे की हर इच्छा को पूरा करने की सामर्थ्य रखती है। बच्चा भी माँ के आगे अपने को नतमस्तक कर देता है।

**9. (क)** 'बाज़ार दर्शन' के संदर्भ में इस कथन का आशय है कि बाज़ार जाते समय मन खाली नहीं होना चाहिए। उसमें लक्ष्य का होना आवश्यक होता है। व्यक्ति बाज़ार की चीज़ों में अपने आपको खोने लगता है। जेब भरी हो और मन खाली तब बाज़ार की हर वस्तु लेने की इच्छा जाग जाती है। इसलिए लेखक कहते हैं कि मन लक्ष्य से भरा होगा तो बाज़ार का फैलाव भी तब वैसा का वैसा ही रह जाएगा।

**(ख)** 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक इंदर सेना का उदाहरण देता है जब बरसात नहीं होती तब लड़कों की टोलियाँ निकलती हैं और घर में भरी बाल्टियों से उन पर पानी डाला जाता है जो इस विश्वास को बताती है कि पानी डालने पर बरसात भी जल्दी ही हो जाएगी। यह पानी की बरबादी नहीं मानी जाती बल्कि त्याग और समर्पण की भावना से किया गया विश्वास है जो शिक्षित समाज को अंधविश्वास की तरह लगता है। लेखक कहता है कि पुरानी परंपरा के अनुसार फेंका गया यह पानी बीज की भाँति है जो सबको काले मेघा के रूप में प्राप्त होते हैं।

**(ग)** लेखक ने शिरीष, अवधूत और गांधीजी को एक समान माना है जो मुश्किल परिस्थितियों में भी स्थिर होकर खड़े रहे हैं। शिरीष के फूल लंबे समय तक खिले रहते हैं। वे अवधूत की तरह होते हैं जिन्हें सुख-दु:ख या अच्छे-बुरे से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे हर परिस्थिति में एक समान बने रहते हैं। शिरीष भी लू, गरमी, धूप के बीच सरस रहता है। इसी तरह गांधी जी भी अंग्रेज़ों के विरुद्ध खड़े रहे। उन्होंने डटकर उनका सामना किया और देश की आज़ादी को दिलाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया। शारीरिक रूप से कमज़ोर होने पर भी गांधी जी अपने आत्मबल के सहारे बड़े-बड़े आंदोलन करते रहे। इस तरह लेखक ने तीनों को समानातंर माना है।

**10. (क)** 'पहलवान की ढोलक' में लुट्टन ढोल की ताल पर अपने दाँव डाल रहा था। उसे लग रहा था जैसे ढ़ोल उसे कह रहा हो 'दाँव काटो, बाहर हो जा!' लुट्टन ने भी वैसा ही किया। उसने दाँव काटा और लपककर चाँद की गर्दन पकड़ ली। उसने चाँद को ज़मीन पर चित्त कर दिया। जनता भी आनंद से भरकर जयजयकार करने लगी। इस तरह लुट्टन कुश्ती में विजय को प्राप्त कर सका।

**(ख)** श्रम विभाजन एक सभ्य समाज की आवश्यकता होती है। इसमें व्यक्ति की कार्य क्षमता और कार्यकुशलता के आधर पर काम को बाँटा जाता है। जबकि श्रमिक विभाजन में लोगों को उनके पैतृक व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया जाता है। इसमें व्यक्ति को व्यवसाय परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होती जबकि श्रम विभाजन में व्यक्ति व्यवसाय चुनने में स्वतंत्र होता है।

**(ग)** लोकतंत्र से अभिप्राय है ऐसा समाज जहाँ सबके हितों का ध्यान रखा जाता हो। समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग लेना अनिवार्य हो। सब एक-दूसरे की रक्षा के प्रति सजग हों। लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है बल्कि लोकतंत्र मूलत: सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है।

**11. (क)** यशोधर बाबू के जीजा जनार्दन जोशी की तबीयत खराब थी। यशोधर बाबू उनका हालचाल लेने अहमदाबाद जाना चाहते थे। परंतु उनकी पत्नी और बच्चों को यह प्रस्ताव पसंद नहीं आएगा वे यह भी जानते थे। यशोधर बाबू खुशी या गम के हर मौके पर रिश्तेदारों के यहाँ जाना ज़रूरी समझते थे। लेकिन उनके कमाऊ बेटे ने तब हद कर दी जब उन्हें दो टूक जवाब दे दिया कि आपको बुआ को भेजने के लिए पैसे मैं तो नहीं दूँगा। तब यशोधर बाबू ने उसे कहा कि तुम्हारे अब्बा की इतनी साख है कि सौ रुपए उधार ले सकें।

**(ख)** लेखक की इस कहानी में उसके संघर्षों को दिखाया गया है। इन संघर्षों ने ही उसे एक पढ़ा-लिखा इंसान बनाया है। लेखक को उसकी मराठी टीचर ने बहुत अधिक प्रभावित किया था। उनके प्रोत्साहन से ही वे आगे बढ़ सके। इस तरह कहा जा सकता है कि प्रोत्साहन से आत्मविश्वास को दृढ़ता मिलती है।

**(ग)** साधन संपन्न होते हुए भी सिंधु घाटी की संपन्नता की बात इतिहास में कम हुई क्योंकि इस सभ्यता में भव्यता का आड़ंबर नहीं था। दूसरे उनकी लिपि आज भी अनबूझ है जिस कारण सभ्यता के बारे में समस्त जानकारियाँ उपलब्ध न हो सकी।

## खण्ड-'ब'

### (वर्णनात्मक प्रश्न)

**10. (क)** 'मैं भव-मौजों पर मस्त बहा करता हूँ' पंक्ति का आशय है कि यह संसार दु:ख और आपदाओं का सागर है। लोग इसे पार करने के लिए कर्म रूपी नाव बनाते हैं, किन्तु कवि संसार रूपी सागर की लहरों पर मस्त होकर बहा करता है। उसे संसार की कोई चिंता नहीं है।

**(ख)** फूल से कविता में रंग, भाव आदि आते हैं; परंतु कविता के खिलने के बारे में फूल कुछ नहीं जानते क्योंकि फूल कुछ समय के लिए खिलते हैं, खुशबू फैलाते हैं, फिर मुरझा जाते हैं। कविता बिना मुरझाए लंबे समय तक लोगों के मन में व्याप्त रहती है। इस बात को फूल नहीं समझ पाते।

**(ग)** 'बात सीधी थी पर' कविता में कवि ने कथ्य को अधिक महत्त्व दिया है। कवि ने जब सीधी व सरल बात को कहने के लिए चमत्कारिक-अलंकारिक भाषा को माध्यम बनाना चाहा तो भाव की अभिव्यक्ति ही नष्ट हो गई। मूल कथ्य पीछे छूट गया और सिद्धांत व सौंदर्य ही प्रमुख हो गया।

**11. (क)** शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति की शब्दहीन पीड़ा को मीडियाकर्मी तरह-तरह के चुभने और कष्ट देने वाले प्रश्नों को पूछकर अभिव्यक्त कराना चाहता है। जैसे- आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है? इस प्रकार के प्रश्न पूछकर मीडियाकर्मी अपाहिज और दर्शक दोनों को एक साथ दु:खी करना चाहता है और वह इसमें सफल भी होता है।

**(ख)** 'बादल राग' कविता के संदर्भ में पंक (कीचड़) पूँजीपति वर्ग का प्रतीक है जो सदैव गरीबों-असहायों का शोषण करता है तथा जलज (कमल) गरीब-असहाय जन का प्रतीक है। क्रांति का इन दोनों वर्गों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है; जहाँ क्रांति (प्रलय) से पूँजीपति वर्ग बुरी तरह प्रभावित होता है वहीं निम्न वर्ग रोग व कष्ट की स्थिति में भी सदैव मुस्कराते रहते हैं।

**(ग)** बच्चा अपनी माँ की ओर अत्यंत स्नेह के कारण देख रहा है क्योंकि माँ स्वच्छ जल से बच्चे को नहलाती है। इसके बालों में कंघी करती है और अपने घुटनों पर रखकर उसे कपड़े पहनाती है। यही कारण है कि बच्चा स्नेह से अभिभूत होकर माँ की ओर देख रहा है।

**12. (क)** केवल बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को लेखक ने नीतिशास्त्र बताया है। अर्थशास्त्र बाज़ार का पोषण करता है। वह बताता है कि माल का प्रदर्शन पूर्ण विज्ञापन करके किस तरह ग्राहक को आकर्षित किया जाये तथा उसको अनावश्यक चीज़ों को खरीदने के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित किया जाये। लेखक ने अर्थशास्त्र को मायावी, सरासर औंधा तथा अनीतिशास्त्र कहा है। ऐसा कहना अकारण नहीं है। माया का अर्थ है-छल-कपट आजकल उपभोक्तावाद का युग है। अर्थशास्त्र अर्थ की उचित सामाजिक व्यवस्था करके छल-कपट द्वारा अधिकाधिक धनोपार्जन के उपाय बताता है। वह बाजार में अनुचित विज्ञापन से ग्राहकों को आकर्षित करके उनके शोषण का द्वार खोलता है। वह नीति का नहीं अनीति का शास्त्र है।

**(ख)** अनावृष्टि से मुक्ति पाने हेतु गाँव के बच्चों की इंदर सेना द्वार-द्वार पानी माँगने जाती है। लेखक का तर्कशील किशोर-मन भीषण सूखे में उसे पानी की निर्मम बर्बादी समझता है।लेखक की जीजी इस कार्य को अंधविश्वास न मानकर लोक आस्था के त्याग की भावना कहती है। लेखक बार-बार अपनी जीजी के तर्कों का खंडन करता हुआ इसे पाखंड और अंधविश्वास कहता है लेकिन जीजी की संतुष्टि और अपने सद्भाव को बचाए रखने के लिए वह तमाम रीति-रिवाज़ों को ऊपरी तौर पर सही मानता है। लेकिन अंतर्मन से उनका खंडन करता चलता है।

जीजी का मानना है कि अपनी ज़रूरत को पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए जो कुछ दो वह त्याग होता है अत: परम आवश्यक वस्तु का त्याग ही सर्वोच्च दान है।

**(ग)** लेखक कहता है कि महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं। संसार में जीवनी शक्ति और सब जगह समाई कालरूपी अग्नि में निरंतर संघर्ष चलता रहता है। बुद्धिमान निरंतर संघर्ष करते हुए जीवनयापन करते हैं। संसार में मूर्ख व्यक्ति यह समझते हैं कि वे जहाँ हैं; वहीं देर तक डटे रहेंगे तो कालदेवता की नज़र से बच जाएँगे। वे भोले हैं। उन्हें यह नहीं पता कि एक जगह बैठे रहने से मनुष्य का विनाश हो जाता है। लेखक गतिशीलता को ही जीवन मानता है। जो व्यक्ति हिलते-डुलते रहते हैं, स्थान बदलते रहते हैं तथा प्रगति की ओर बढ़ते रहते हैं, वे ही मृत्यु से बच सकते हैं। लेखक जड़ता को मृत्यु के समान मानता है तथा गतिशीलता को जीवन।

**13. (क)** बीमारी की विभीषिका से क्रंदन करता हुआ गाँव और अधिक भयावह रूप तब ग्रहण कर लेता था जब सियारों के क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ के बीच गाँव की झोपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज़ के साथ-साथ 'हे राम! हे भगवान!' आदि की आवाज़ सुनाई पड़ती थी।

**(ख)** 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर हम कह सकते हैं कि भारत की जाति-प्रथा श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

**(ग)** समाज को अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करने के लिए अंबेडकर ने 'समता' के औचित्य पर विचार करने का सुझाव दिया है। वह समता की और व्यापक व्याख्या करते हुए कहते हैं कि यदि समाज के सदस्यों को आरंभ से ही समान अवसर एवं समान व्यवहार उपलब्ध कराए जाएँ तो समाज का प्रत्येक सदस्य अधिकतम उपयोगी सिद्ध होगा।

**14. (क)** यशोधर बाबू अंतर्द्वंद्व से ग्रस्त व्यक्ति हैं। वे पुरानी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। वे पुराने मूल्यों को स्थापित करना चाहते हैं, परंतु बच्चे उनकी बातों को नहीं मानते। वे अपने बेटे की नौकरी से खुश हैं, परंतु अधिक वेतन पर उन्हें संशय है। इसीलिए वह बच्चों द्वारा घर लाए गए सुख-सुविधा के साधनों के प्रति उदासीन हैं। वे नयापन पूरे आधे-अधूरे मन से अपनाते हैं। साथ-साथ उन्हें अपनी सोच व आदर्शों के प्रति भी संशय है। वे अकसर नकली हँसी का सहारा लेते हैं।

**(ख)** आनंदा का पाठशाला में पहला दिन बहुत ही दु:खद रहा। वह फिर से पाँचवीं कक्षा में जाकर बैठने लगा। वहाँ उसे पुन: नाम लिखवाने की ज़रूरत नहीं पड़ी। 'पाँचवीं न पास' की टिप्पणी उसके नाम के आगे लिखी हुई थी। पहले दिन गली के दो लड़कों को छोड़कर कोई भी लड़का उसके पहचान का नहीं था। लेखक को बहुत बुरा लगा। वह सोचने लगा कि उसे अब उन लड़कों के साथ बैठना पड़ेगा जिन्हें वह मंद बुद्धि समझता था। उसके साथ के सभी लड़के तो आगे की कक्षाओं में चले गए थे। इसलिए वह कक्षा में स्वयं को बहुत अकेला महसूस कर रहा था।

**(ग)** सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी। इसके प्रमाण मुअनजो-दड़ो में चारों ओर बिखरे हुए हैं। शहर का व्यवस्थित रूप, चारों ओर मकान की सुविधा संपन्न बनावट, पानी की निकासी की उत्तम व्यवस्था, सड़कों का आकार तथा बनावट, विशाल स्नानागार, कुँओं की व्यवस्था, तांबे का प्रयोग, पत्थरों का प्रयोग, कपड़ों पर रंगाई, पूजास्थल, अन्य स्थानों से व्यापार संबंध, खेती के सबूत इत्यादि बातें इसकी भव्यता की कहानी कह जाते हैं। वहाँ पर किसी प्रकार के राज प्रासाद दिखाई नहीं देते हैं। न ही ऐसे प्रमाण मिलते हैं, जिससे वहाँ किसी बड़े मंदिर का पता चले। वहाँ पर विकसित सभ्यता के चिह्न मिलते हैं। जहाँ पर सब साधन विद्यमान थे। इन्हीं सब पर दृष्टि डालने के बाद कहा गया है कि सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें प्रभुत्व या दिखावे के तेवर का अभाव था।

❑❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE